RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-166 जयपुर, रविवार, 14 दिसम्बर 2025 मूल्य-4 रूपये

दिल्ली की हवा जहरीली, सीजन में पहली बार चौथे चरण की पाबंदियां लागू

कंस्ट्रक्शन वर्क पूरी तरह बंद, ऑफिसों में आधे कर्मचारियों को ही आने की परमिशन

नई दिल्ली

दिल्ली में प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रेप चार लगाने की भी घोषणा की है। सुबह ग्रेप तीन पाबंदियों की घोषणा की गई थी। इसी के साथ अब दिल्ली में ग्रेप एक दो, तीन और चार की पाबंदियां लागू होंगी। दरअसल, दिल्ली में हवा की

गुणवत्ता बहुत तेजी से खराब हो रही है, जिसे देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की समिति ने तत्काल प्रभाव से सबसे सख्त पाबंदियां ग्रेप 4 लागू करने का फैसला किया है। सीपीसीबी के अनुसार, हवा की गुणवत्ता में शनिवार शाम को और गिरावट दर्ज की गई। शाम 4 बजे जहां दिल्ली का एक्यूआई 431 था, वहीं शाम 6 बजे यह बढ़कर 441 तक पहुंच गया। धीमी हवा, स्थिर वातावरण और खराब मौसम की वजह से प्रदूषक हवा में फैल नहीं पाए, जिससे प्रदूषण बढ़ता गया। इसके साथ ही एनसीआर के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रदूषण को और बढ़ने से रोकने के लिए अतिरिक्त निवारक कदम उठाएं। अधिकारियों का कहना है कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सीएक्यूएम ने लोगों से ग्रेप के सिटीजन चार्टर का पालन करने की अपील की है।

स्टेज-1 और 2 के अलावा अतिरिक्त सलाह में छोटी दूरी के लिए पैदल व साइकिल चलाना, सार्वजनिक परिवहन, कारपूलिंग, वर्क फ्रॉम होम, कोयला-लकड़ी से गर्माहट न लेना, सुरक्षाकर्मियों को इलेक्ट्रिक हीटर देना और अनावश्यक यात्राएं कम करना शामिल है। फैसले में कहा गया है कि यह चरण 1, 2 और 3 के मौजूदा उपायों के अलावा लागू होगा। एनसीआर के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वायु गुणवत्ता की आगे बिगड़ने से रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई को तेज करें। नागरिकों से अपील है कि वे ग्रेप के नियमों का पालन करें ताकि प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सके।

हवा की क्वालिटी सुधारने के लिए ये उपाय किए जाएंगे

जनरेटर सेट के इस्तेमाल पर रोक (आपात सेवाएं छोड़कर), सड़कों पर पानी का छिड़काव, एंटी-स्मॉग गन का उपयोग, खुले में कूड़ा, पत्ते, पराली जलाने पर पूरी रोक आदि।

सख्ती और निगरानी

सर्दियों के मौसम में दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति के आधार पर GRAP के तहत पाबंदियां चार चरणों में लागू किए जाते हैं। जब AQI201 से 300 के दायरे में होता है, तब पहले चरण के उपाय लागू होते हैं। AQI 301 से 400 के बीच रहने पर दूसरे चरण, 401 से 450 के स्तर पर पहुंचने पर तीसरे चरण और AQI के 450 से ऊपर जाने पर चौथे चरण की कड़ी पाबंदियां लागू की जाती हैं।

केरल निकाय चुनावः तिरुवनंतपुरम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

तिरुवनंतपुरम में पहली बार खिला कमल

भाजपा की 50 वार्ड में बंपर जीत, लोकतांत्रिक मोर्चा का किला ढहा

तिरुवनंतपुरम

केरल के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों ने राज्य की राजनीति में बड़ा संदेश दिया है। कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने शानदार जीत दर्ज करते हुए मनोबल बढ़ाया है, वहीं सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को करारा झटका लगा है।

सबसे अहम बात यह रही कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले एनडीए ने राजधानी तिरुवनंतपुरम नगर निगम पर कब्जा जमाकर 45 साल पुराने वाम किले में सेंध लगा दी।

गठबंधन ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों में से 50 वार्डों पर जीत दर्ज की है। पिछले 45 साल से यहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) का कब्जा है। LDF 29 और कांग्रेस गठबंधन (UDF) को 19 वार्डों में विजय मिली है।

भाजपा ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में 50 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरते हुए सीपीआई (एम) के दशकों पुराने वर्चस्व को खत्म कर दिया। इस जीत के साथ केरल में भाजपा के पहले मेयर बनने की संभावना भी प्रबल हो गई है। राज्य की पहली महिला आईपीएस अधिकारी रह चुकीं 64 वर्षीय आर. श्रीलेखा का नाम मेयर पद के लिए चर्चा में है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार जताया

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'तिरुवनंतपुरम नगर निगम में शानदार जीत पर मेहनती भाजपा कार्यकर्ताओं को हार्दिक धन्यवाद। आज का दिन केरल में कार्यकर्ताओं की पीढ़ियों के कार्य और संघर्षों को याद करने का है, जिन्होंने जमीनी स्तर पर काम किया। हमारे कार्यकर्ता ही हमारी ताकत हैं और हमें उन पर गर्व है।'

भाजपा उम्मीदवार आर. श्रीलेखा ने कहा- जब से मेरी उम्मीदवारी की घोषणा हुई है, LDF और कांग्रेस ने उम्मीद से ज्यादा मेरी आलोचना की है। मुझे खुशी है कि मेरे वार्ड के लोगों ने उन सभी बातों को नजरअंदाज किया और मेरा साथ दिया।

यह लोकतंत्र की खूबसूरतीः शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर की टिप्पणी भी चर्चा में रही। उन्होंने कहा कि उन्होंने 45 साल की एलडीएफ सरकार से बदलाव के लिए प्रचार किया था, लेकिन मतदाताओं ने उनके संसदीय क्षेत्र में बदलाव के लिए भाजपा को चुना। थरूर ने कहा, 'यही लोकतंत्र की खूबसूरती है। जनता का फैसला, चाहे यूडीएफ के पक्ष में हो या मेरे क्षेत्र में भाजपा के लिए, स्वीकार किया जाना चाहिए।

आगामी विधानसभा चुनाव में भी हमारी जीत तयः राहुल

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'यह केरल लोकल बॉडी चुनावों के इतिहास में UDF और कांग्रेस को सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं। यह हमारे लिए एक बड़ी जीत है। निश्चित रूप से हम अगले विधानसभा चुनाव जीतने वाले हैं।

मेसी ने हैदराबाद में बच्चों के साथ फुटबॉल खेला

कोलकाता स्टेडियम से जल्दी निकले, तो नाराज फैंस ने तोड़फोड़ की

कोलकाता

हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार की रात फुटबॉल के फैंस के दिलों-दिमाग पर अपनी अमिट छाप छोड़ गई। दरअसल स्टेडियम में मौजूद लोग फुटबॉल के जादूगर लियोनेल मेसी की मौजूदगी के गवाह बने। लियोनेस मेसी इन दिनों भारत दौरे पर हैं और कोलकाता के बाद मेसी शनिवार को हैदराबाद पहुंचे। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी 3 दिन के इंडिया टूर पर हैं। उन्होंने शनिवार को कोलकाता में अपनी 70 फीट ऊंची मूर्ती का उद्घाटन किया। फिर देर शाम हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में CM रेवंत रेड्डी और बच्चों के साथ फुटबॉल खेला।

मेसी दोपहर 2 बजे कोलकाता से निकले और शाम करीब 5 बजे हैदराबाद पहुंचे। वे रात 8 बजे उप्पल स्टेडियम पहुंचे। यहां साथी खिलाड़ी रोड्रिगो डी पॉल और लुईस सुआरेज के साथ मिलकर उन्होंने दर्शकों की ओर फुटबॉल फेंकी। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी मेसी से मिले।

कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में वे करीब 1 घंटा रुकने वाले थे, लेकिन 22 मिनट बाद ही वहां से निकल गए। इससे गुस्साए फैंस ने स्टेडियम में कुर्सियां फेंककर तोड़फोड़ शुरू कर दी। जिससे भगदड़ जैसे हालात भी बन गए।

इस पर पश्चिम बंगाल की ष्टरू ममता बनर्जी को माफी मांगनी पड़ी। ष्ठत्र लॉ एंड ऑर्डर जावेद शमीम ने कहा कि मुख्य आयोजक सताद्रू दत्ता को गिरफ्तार कर लिया है। आयोजकों ने वादा किया है कि वे टिकट का पैसा वापस कर देंगे।

असम में वायुसेना का पूर्व अफसर जासूसी में गिरफ्तार

पाकिस्तानी एजेंट को सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दे रहा था

असम

असम के सोनितपुर जिले से पुलिस ने रिटायर्ड वायुसेना अधिकारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कुलेंद्र शर्मा के रूप में हुई है। कुलेंद्र पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से संबंध का आरोप है। पुलिस ने खुफिया इनपुट के आधार पर गिरफ्तारी की।

पुलिस के मुताबिक आरोपी कुलेंद्र सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी एजेंसी से जुड़े व्यक्तियों के संपर्क में था और उन्हें सेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारी दे रहा था। उसके मोबाइल और लैपटॉप से संदिग्ध सामग्री मिली है, हालांकि कुछ डेटा डिलीट होने का संदेह है।

सोनितपुर के DSP हरिचरण भूमिज ने कहा कि कुलेंद्र के पाकिस्तान से संबंधों को लेकर संदेह काफी मजबूत है।

रिटायर्ड होने से पहले, कुलेंद्र तेजपुर वायुसेना स्टेशन में जूनियर वारंट ऑफिसर था, जहां सुखोई 30 स्क्वाड्रन सहित प्रमुख हवाई संसाधन मौजूद हैं। वे 2002 में रिटायर्ड हुआ। इसके बाद उसने कुछ समय के लिए तेजपुर विश्वविद्यालय में काम किया।

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में पुलिस ने शुक्रवार को जासूसी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया।

सीजेआई ने ज्यूडिशियल कॉन्फ्रेंस में नेशनल डिजिटल पॉलिसी की जताई जरूरत

डिजिटल प्लेटफॉर्म से अंजान याचिकाकर्ता को वंचित नहीं रख सकते

जैसलमेर

देश के चीफ जस्टिस सूर्यकांत शर्मा का कहना है- डिजिटल प्लेटफॉर्म ने काम को आसान और तेज किया है, लेकिन जो लोग इससे अपरिचित है, उन वादियों को किसी भी प्रकार से वंचित नहीं रखा जाए।

न्याय प्रणाली में डिजिटल डिवाइड केवल तकनीक तक पहुंच और गैर-पहुंच का सवाल नहीं है, बल्कि यह सहायता प्राप्त और बिना सहायता वाले तकनीकी उपयोगकर्ताओं के बीच अधिक गंभीर रूप में सामने आता है।

उन्होंने ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट के तीसरे चरण का जिक्र किया, जिसमें पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत कोर्ट, ई-फाइलिंग, ऑनलाइन और हाइब्रिड (ऑनलाइन और सामने से)

सुनवाई और नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड के ज़रिए डेटा-आधारित शासन की सोच रखी गई है।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में बिना रुकावट और सबको साथ लेकर न्याय दिलाने के लिए अच्छे कर्मचारियों वाले ई-सेवा केंद्र, स्ङ्मस् जैसे आसान टूल, मोबाइल से पहुंच और एक राष्ट्रीय डिजिटल नीति की सख्त जरूरत है।

इस दौरान जस्टिस दीपांकर दत्ता ने AI पर आंख बंद करके भरोसा न करने की चेतावनी दी। वहीं जस्टिस जे.के. माहेश्वरी ने डेटा सुरक्षा और ढ्ढ पर कहा कि टेक्नोलॉजी को जजों की मदद करनी चाहिए, न कि इंसान के फैसले या संवेदनशीलता की जगह लेनी चाहिए।

दरअसल, राजस्थान हाई कोर्ट और राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी ने नेशनल ज्यूडिशियल अकादमी के साथ मिलकर 13 दिसंबर को जैसलमेर में क्षेत्रीय कॉन्फ्रेंस रखी। इसका विषय 'टेक्नोलॉजी के ज़रिए कानून का राज आगे बढ़ानाः मौके और मुश्किलें' रखा गया है।

कॉन्फ्रेंस के पहले सत्र को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने संबोधित किया। वहीं भारत के मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट और महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान उच्च न्यायालयों के माननीय न्यायाधीशों, पश्चिमी क्षेत्र के न्यायिक अधिकारियों और अन्य हितधारकों ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य टेक्नोलॉजी का सही और सबको साथ लेकर चलने वाला इस्तेमाल करके न्याय तक लोगों की पहुंच को मजबूत करना था।

कॉन्फ्रेंस में राजस्थान हाईकोर्ट ने कई नई डिजिटल इनिशिएटिव शुरू किए। इन सेवाओं का मकसद नागरिकों को बेहतर सेवा देना, काम में पारदर्शिता लाना और न्याय तेज़ी से दिलाना है। इनका उद्देश्य कोर्ट तक सभी की पहुंच आसान बनाना, नियमों की रुकावटें हटाने और लोगों का भरोसा बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना प्रमुख रहा।

पंकज चौधरी यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष

योगी प्रस्तावक बने, किसी और ने नामांकन नहीं किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने वाला है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री व महाराजगंज से सात बार के सांसद पंकज चौधरी ने शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने अपना नामांकन पत्र प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को सौंपा। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र पंकज चौधरी का नामांकन दाखिल हुआ, इसलिए उनका निर्विरोध चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है। नए प्रदेश अध्यक्ष का औपचारिक ऐलान रविवार को लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में होगा।

हर साल 2 लाख लोग भारतीय नागरिकता छोड़ रहे

5 साल में 9 लाख विदेश में बसे, सरकार ने कहा- 2021 के बाद संख्या बढ़ी

नई दिल्ली

भारतीय नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विदेश मंत्रालय ने संसद को बताया है कि पिछले 5 सालों में करीब 9 लाख भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी है।

राज्यसभा में जवाब देते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह कहा- 2011 से 2024 के बीच लगभग 21 लाख भारतीयों ने विदेशी नागरिकता अपनाई। 2021 के बाद नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या में बड़ा उछाल देखने को मिला। जहां कोरोना महामारी के वर्ष

2020 में यह आंकड़ा घटकर 85 हजार के करीब रह गया था, वहीं इसके बाद यह संख्या 2 लाख के आसपास पहुंच गई।

3 साल में 5,945 भारतीय मिडिल-ईस्ट से लौटे

सरकार ने बताया कि पिछले 3 वर्षों में सुरक्षा कारणों से मिडिल ईस्ट के देशों से 5,945 भारतीय नागरिकों को निकाला गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में बताया कि इनमें इजराइल से 'ऑपरेशन अजय' और ईरान-इजराइल से 'ऑपरेशन सिंधु' शामिल हैं। इसके अलावा कुवैत अग्निकांड में मारे गए 45 भारतीयों के शव भी भारत लाए गए।

3 से 6 वर्ष के बच्चों को मुफ्त शिक्षा का प्रस्ताव

राज्यसभा की मनोनीत सांसद सुधा मूर्ति ने 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ्त, अनिवार्य शिक्षा और देखभाल की गारंटी देने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने संविधान में नया अनुच्छेद 21बी जोड़ने की मांग की। उन्होंने आंगनवाड़ी व्यवस्था को मजबूत करने पर भी जोर दिया।

केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि वर्ष 2024-25 में जांच की गई 1.16 लाख दवा सैंपलों में से 3,104 को मानक गुणवत्ता से कम पाया गया, जबकि 245 दवाएं नकली या मिलावटी निकलीं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने लोकसभा में बताया,

2023-24 में भी करीब 3 हजार दवाएं गुणवत्ता में फेल हुई थीं। दिसंबर 2022 से अब तक 960 से अधिक दवा इकाइयों की जांच की गई, जिन पर 860 से ज्यादा कार्रवाइयां हुईं।

आईएफएस में 954 अधिकारी, 263 महिलाएं

केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि 1 दिसंबर 2025 तक भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) में कुल 954 अधिकारी कार्यरत हैं। इनमें 263 महिलाएं, 200 एससी/एसटी और 217 ओबीसी वर्ग के अधिकारी शामिल हैं

यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों पर 450 से अधिक ड्रोन हमले

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने उसके ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर 450 से ज्यादा ड्रोन और 30 मिसाइलों से हमला किया, जिससे कई इलाकों की बिजली और पानी की सप्लाई ठप हो गई। आपाकालीन सेवाएं उसे बहाल करने के लिए लगातार काम कर रही हैं।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया में कहा, रूस ने फिर से यूक्रेन की ऊर्जा अवसंरचना को निशाना बनाया है। दक्षिणी यूक्रेन और ओडिसा क्षेत्र में हुए हमले में दो लोग घायल भी हो गए। उन्होंने कहा, रातभर हुए इन हमलों से एक दर्जन से अधिक नागरिक सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है और हजारों परिवार बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं।

प्लास्टर में छोड़ी सर्जिकल-ब्लेड, बच्चे के पैर में जगह-जगह घाव

पीबीएम हॉस्पिटल में घातक चूक, परिजन पहुंचे तो कहा-अधीक्षक मीटिंग में हैं

बीकानेर

सरकारी हॉस्पिटल में ढाई साल के बच्चे के पैर पर प्लास्टर करते वक्त नर्सिंग कर्मचारी ने सर्जिकल ब्लेड छोड़ दी। पांच दिन तक बच्चा तेज दर्द से कराहता रहा। परिजन प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गए तो पता चला कि 4 सेंटीमीटर की सर्जिकल ब्लेड से बच्चे के पैर में जगह-जगह घाव हो चुके हैं।

इलाज में घोर लापरवाही का ये मामला बीकानेर के PBM हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर का है। बच्चे को 9 दिसंबर को घर में खेलते वक्त चोट लग गई थी। इसी दिन परिजन ने ट्रॉमा सेंटर पर लाकर प्लास्टर कराया था।

नर्सिंग स्टाफ ने की गंभीर लापरवाही

बीकानेर शहर में छीपों का मोहल्ला में मक्का मस्जिद इलाके में रहने वाले पीड़ित बच्चे उवेश रजा के दादा मोहम्मद अयूब लोधा ने बताया- 9 दिसंबर को मेरे पोता घर में खेल रहा था। इस दौरान उसके पैर में चोट लग गई। हम उसे पीबीएम हॉस्पिटल ले गए।

वहां ट्रॉमा सेंटर पर बच्चे को दिखाया तो डॉक्टर ने एक्सरे कराने को कहा। एक्सरे में घुटने से टखने के बीच पैर की हड्डी में फ्रैक्चर आने के बाद डॉक्टर ने पर्ची पर प्लास्टर कराने का निर्देश लिख दिया।

इसके बाद उवेश को वहीं प्लास्टर कराने के लिए हड्डी वार्ड में ले गए जहां एक नर्सिंग स्टाफ ने पैर पर प्लास्टर बांधा। इसी दौरान एक टूटी हुई सर्जिकल ब्लेड नर्सिंगकर्मी ने प्लास्टर के साथ ही लपेट दी। इलाज के बाद हम उवेश को घर ले आए। लेकिन प्लास्टर के बाद से ही उवेश लगातार पैर में चुभती सर्जिकल ब्लेड के कारण कराहता रहा।

हमें लगा कि फ्रैक्चर के कारण दर्द हो रहा है। एक-दो दिन में ठीक हो जाएगा। लेकिन पांच दिन तक भी दर्द कम नहीं हुआ तो शनिवार को हम बच्चे को पीबीएम हॉस्पिटल के पास एक प्राइवेट डॉक्टर की क्लिनिक पर लेकर गए। डॉक्टर ने दोबारा एक्सरे कराने को कहा। हमने एक्सरे कराया तो पता चला कि प्लास्टर के भीतर सर्जिकल ब्लेड है।

मथुरा के गांवों से चल रहा था डिजिटल अरेस्ट का धंधा, 300 जवानों ने की घेराबंदी, 42 को दबोचा

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के आसपास लगे गांवों से साइबर ठगों की गैंग सक्रिय थी। लंबे समय से डिजिटल अरेस्ट जैसे कई साइबर क्राइम के सूचनाएं मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी की और 42 आरोपियों को दबोच लिया। दरअसल, मथुरा के कुछ गांव जामताड़ा बनते जा रहे थे, जहां से साइबर ठगी का काला धंधा ऑपरेट होता था। झारखंड का जामताड़ा जिला साइबर अपराधों के लिए कुख्यात है। ऐसे में मथुरा पुलिस ने इस पनपते नेटवर्क को क्रैकडाउन करने के लिए कई थानों की फोर्स लगाई और करीब चार गांवों में ताबड़तोड़ छापेमारी की। एसपी देहात सुरेश चन्द रावत ने इस कार्रवाई की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 4 सीओ और भारी पुलिस बल के साथ चार गांवों में सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान काफी मात्रा में आपत्तिजनक सामान, आधार कार्ड, और मोबाइल सहित कुल 42 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि सभी से गहन पूछताछ की जा रही है और दोषी पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना गोवर्धन इलाके के गांव देवसेरस में साइबर अपराधियों की धरपकड़ के लिए बीते दिन एक सर्च अभियान चलाया गया। भारी संख्या में पुलिस बल और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस की टीमें गांव में पहुंचीं। पुलिस ने चार सीओ और भारी पुलिस बल के साथ चार गांवों में यह अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने आधार कार्ड, मोबाइल सहित काफी मात्रा में आपत्तिजनक/संदिग्ध सामान जब्त किया। साइबर क्राइम के क्षेत्र में यह गांव काफी मशहूर है, इसलिए यह कार्रवाई हुई। जैसे ही पुलिस की टीमें भारी संख्या में गांव देवसेरस में पहुंचीं, चारों ओर हड़कंप मच गया। पुलिस के आने की भनक लगते ही कई अपराधी इधर-उधर भागने लगे। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता था कि किस प्रकार भारी पुलिस बल ने गांव में पहुंचकर अपराधियों की धरपकड़ के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया। बताया जाता है कि इस सर्च ऑपरेशन में एक दर्जन से अधिक समेत कुल 42 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

तेंदुए की वेशभूषा पहन विधानसभा पहुंचे सोनावणे, तेंदुए की आवाज निकाल किया रोमांचित

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर जुन्नर के विधायक शरद सोनावणे तेंदुए की वेशभूषा पहनकर सदन पहुंचे। सिर से पांव तक तेंदुए की त्वचा के पैटर्न से सजी उनकी पोशाक ने सभी का ध्यान खींचा। विधानसभा परिसर में प्रवेश करते ही उनकी अनोखी वेशभूषा चर्चा का विषय बन गई। सोनावणे ने तेंदुए की आवाज़ें निकालकर माहौल को और भी मनोरंजक बना दिया। उनके इस अंदाज़ को देखने वाले लोग हैरान होने के साथ मुस्कराए बिना नहीं रहे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरा प्रदर्शन वन्यजीव संरक्षण और क्षेत्र में बढ़ती तेंदुआ समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना था। विधायक का कहना है कि स्थानीय लोगों को तेंदुओं से सुरक्षा और उचित मुआवजे की जरूरत है, जिसे लेकर वे लगातार सरकार से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। विधानसभा के बाहर उनका यह अनूठा विरोध दिनभर चर्चा का विषय बना रहा और सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हुआ।

कर्नाटक सीएम ने अपनी हवाई यात्रा का दिया ब्यौरा, सरकार ने 47 करोड़ से ज्यादा किए खर्च

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया की मई 2023 से नवंबर 2025 के बीच विशेष उड़ानों, विमानों और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करके की गई हवाई यात्रा पर राज्य सरकार ने 47 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए। वित्त मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे सिद्धरमैया ने विधान परिषद में बीजेपी के विधान परिषद सदस्य एन रवि कुमार के प्रश्न का लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने साफ किया कि विशेष उड़ानें, विमान और हेलीकॉप्टर केवल आधिकारिक दौरों के लिए ही इस्तेमाल किए जाते हैं। सीएम के मुताबिक कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता अधिनियम के तहत दी गई छूट राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मुख्य न्यायाधीश की आधिकारिक यात्रा के लिए विशेष विमानों और हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल की अनुमति देती है। पिछले ढाई सालों में सिद्धरमैया ने मैसूरु की 22 बार हवाई यात्रा की है, जिसके लिए उन्होंने बेंगलुरु-मैसूरु मार्ग पर पांच करोड़ रुपए से ज्यादा का यात्रा व्यय किया। बेंगलुरु-मैसूरु सड़क मार्ग से यात्रा करने में करीब ढाई घंटे लगते हैं। उनकी अन्य यात्राओं में नई दिल्ली, हैदराबाद और चेन्नई का सफर शामिल थे।

कफ सिरप मामला : ईडी ने आरोपी शुभम के यूपी, गुजरात, झारखंड के ठिकानों पर मारे छापे

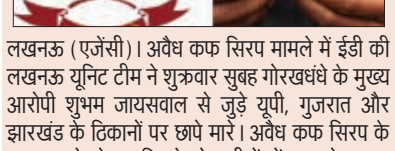

लखनऊ (एजेंसी)। अवैध कफ सिरप मामले में ईडी की लखनऊ यूनिट टीम ने शुक्रवार सुबह गोरखधंधे के मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल से जुड़े यूपी, गुजरात और झारखंड के ठिकानों पर छापे मारे। अवैध कफ सिरप के व्यापार को लेकर पिछले दो महीनों में 30 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं, जिसके आधार पर ईडी ने कार्रवाई शुरू की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी की टीम ने यूपी के लखनऊ, सहारनपुर, वाराणसी और जौनपुर, झारखंड के रांची और गुजरात के अहमदाबाद में बनाए गए ठिकानों पर छापे मारे। अंदेशा है कि इन्हीं ठिकानों पर अवैध कफ सिरप का भंडारण किया गया और बिक्री के लिए आसपास के शहरों और कस्बों में सप्लाई की गई। बता दें कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की मौत होने की खबरों से मामला सुर्खियों में बना हुआ है। इस गोरखधंधे में शुभम जायसवाल मुख्य आरोपी है, जिसके सहयोगी आलोक सिंह और अमित सिंह रहे हैं। मामले में आलोक सिंह को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें पिछले दो महीनों में लखनऊ, वाराणसी, सोनभद्र, सहारनपुर और गाजियाबाद समेत कई जिलों में कोडीन फॉर्मूले से बनी कफ सीरप का अवैध भंडारण और खरीद-बिक्री की गई, जिससे हजारों करोड़ रुपए का अवैध व्यापार हुआ। वहीं, मामला उजागर होने पर मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल दुबई में जाकर छिप गया। हालांकि, उसके पिता भोला प्रसाद समेत 32 लोग मामले में गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसके अलावा इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन भी किया गया है।

14 दिसंबर को मिलेगा यूपी बीजेपी को अपना नया अध्यक्ष, केशव प्रसाद मौर्य रेस में सबसे आगे

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपना नया प्रदेश अध्यक्ष 14 दिसंबर को मिलने वाला है। संगठन चुनाव प्रभारी डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम घोषित होने के बाद राजनीतिक हलकों में कयासों का दौर तेज हो चुका है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े भी लखनऊ पहुंचने वाले हैं, इसके बाद नामांकन और चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। पार्टी की नजर 2027 के विधानसभा चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव पर है, इसके लिए देश के सबसे बड़े सूबे यूपी का नया अध्यक्ष रणनीतिक चेहरा साबित हो सकता है।

2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से मिली हार के बाद भाजपा नेतृत्व संगठनात्मक बदलाव को लेकर बहुत ही गंभीर है। बताया जा रहा हैं कि बीजेपी इस बार ऐसा चेहरा सामने लाने वाली है, जो प्रदेश में जातीय समीकरणों को मजबूत कर सके। भाजपा के कई शीर्ष नेता स्पष्ट संकेत दे चुके हैं कि अध्यक्ष पद पर किसी गैर-ठाकुर और ओबीसी नेता को मौका मिल सकता है। जिससे सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले को काउंटर कर सके। अध्यक्ष पद की रेस में कई बड़े नाम शामिल हैं। इसमें सबसे बड़ा नाम उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जो ओबीसी कोइरी समुदाय के बड़े नेता हैं। 2017 में यूपी में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के दौरान वे प्रदेश अध्यक्ष थे और उनके संगठनात्मक अनुभव को देखकर उनका नाम सबसे आगे है। इसके अलावा मोदी सरकार में राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी प्रमुख दावेदार हैं। कुर्मी समुदाय के प्रभावशाली नेता होने के साथ उनकी साफ छवि और केंद्रीय नेतृत्व से निकटता उनके पक्ष में जाती है।

इसके अलावा योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी दौड़ में मजबूत चेहरा हैं, जिन्होंने पहले भी सफलतापूर्वक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाई है। वहीं लोधी समुदाय को साधने के लिए केंद्र सरकार में मंत्री बीएल वर्मा और यूपी कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के नाम पर भी मजबूत चर्चा है। दोनों नेताओं का प्रभाव पश्चिमी और मध्य यूपी में अच्छा माना जाता है।

इस बीच केंद्र सरकार में राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति भी संभावित नामों में शामिल हैं। निषाद समुदाय की नेता होने के साथ वे महिला और ओबीसी–दोनों श्रेणियों में भाजपा के लिए महत्वपूर्ण संदेश दे सकती हैं। यदि पार्टी अपना अध्यक्ष ओबीसी समुदाय से न चुनने का फैसला करती है, तब ब्राह्मण नेताओं बृजेश पाठक और दिनेश शर्मा के विकल्प भी खुले हैं, हालांकि राजनीतिक विश्लेषक इस बात की संभावना कम मनाते हैं। अब सभी की निगाहें 14 दिसंबर पर टिकी हैं, जब भाजपा यह घोषणा करेगी कि उत्तर प्रदेश में उसे अगला अध्यक्ष कौन मिलेगा, और आने वाले चुनावों के लिए भाजपा किस दिशा में आगे बढ़ेगी।

इसरो का बाहुबली रॉकेट अमेरिका के कमर्शिलय सैटेलाइट को अंतरिक्ष में ले जाएगा

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने अपने दशकों के इतिहास में कई ऐसी लॉन्चिंग की हैं, जिनकी मिसाल पूरी दुनिया में दी जाती है। अब इसरो एक और बड़ा काम करने जा रहा है। इसरो का बाहुबली रॉकेट अमेरिकी मोबाइल कंपनी की 6500 किलो वजनी कमर्शिलय सैटेलाइट को अंतरिक्ष तक ले जाएगा। जिसका काउंटडाउन शुरू हो चुका है। भारत और अमेरिका के बीच स्पेस सहयोग को नई मजबूती मिलने जा रही है। इसरो 15 दिसंबर को अपना सबसे ताकतवर रॉकेट एलवीएम 3 (जिसे 'बाहुबली' भी कहा जाता है) के जरिए अमेरिका का 6.5 टन वजनी कम्युनिकेशन सैटलाइट ब्लूबर्ड-6 अंतरिक्ष में भेजेगा। यह लांच श्रीहरिकोटा से होगा। एलवीएम 3 की क्षमता काफी ज्यादा पेलोड ले जाने की है। एलवीएम3 एक तीन-स्टेज भारी रॉकेट है। यह 8,000 किलो तक का पेलोड लो-अर्थ ऑर्बिट में और 4,000 किलो तक का पेलोड जीटीओ में ले जा सकता है। यह वही रॉकेट है जिसने 2 नवंबर को भारत के सबसे भारी 4.4 टन वजनी सीएमएस-3 सैटलाइट को सफलतापूर्वक लांच किया। टेक्सास की कंपनी एटीएस स्पेसमोबाइल का सैटलाइट ब्लूबर्ड-6 अमेरिकी कंपनी एटीएस स्पेसमोबाइल का अगली पीढ़ी का सैटलाइट है। कंपनी का कहना है कि यह उनका पहला नेक्स्ट-जेन ब्लूबर्ड सैटलाइट होगा, जिसमें लगभग 2,400 स्क्वायर फुट का बड़ा ऐंटिना लगा है। यह ब्लूबर्ड-1 से 5 की तुलना में 3.5 गुना बड़ा है और 10 गुना ज्यादा डेटा क्षमता रखता है। इस सैटेलाइट को लांच करने का उद्देश ?य दूर-दराज़ इलाकों में सीधे फोन पर इंटरनेट मुहैया कराना है। ब्लूबर्ड-6 'ब्लॉक-2' सीरीज का हिस्सा है। कंपनी 2026 तक कई और सैटलाइट भेजकर ऐसी सेवा शुरू करना चाहती है, जिससे नेटवर्क न होने वाले दूरस्थ इलाकों में भी सीधे मोबाइल फोन पर हाई-स्पीड इंटरनेट मिल सके। हर ब्लूबर्ड सैटलाइट 10,000 एमएचजेड तक बैंडविड्थ देने में सक्षम है और मोबाइल नेटवर्क कंपनियों के साथ मिलकर उनके लाइसेंस्ड स्पेक्ट्रम का उपयोग करते हुए सेवा उपलब्ध कराता है।

लूथरा बंधुओं को भारत पहुंचते ही पीट-पीटकर मार डालने का डर... जमानत याचिका में लगाई गुहार

पणजी (एजेंसी)। गोवा में रोमियो लेन चेन क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत। इस मामले में क्लब के मालिक गौरव लूथरा (44) और सौरभ लूथरा को आरोपी बनाया गया है। इसके बाद दोनों भाई थाईलैंड भाग गए थे। वहां रहते हुए उन्होंने जमानत याचिका दायर की। याचिका में दोनों भाइयों को डर है कि भारत लाए जाने पर गोवा में उन्हें पीट-पीटकर मार डाला जाएगा (लिंचिंग)। उन्होंने अपनी जमानत याचिका में यह डर ज़ाहिर किया। दोनों भाई को उनका पासपोर्ट रद्द किए जाने के बाद उन्हें थाइलैंड में हिरासत में ले लिया गया है और उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। दोनों भाइयों ने भारत लाए जाने से पहले दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। अडिशनल सेशंस जज वंदना ने याचिका खारिज कर दी, यह कहते हुए कि प्राथमिक दृष्ट्या अपराध की प्रकृति गंभीर है।

वकीलों की दलीलः उन्होंने चार सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मांगी। दलील दी कि उनकी सुरक्षा को खतरा है और गोवा में उनकी लिंचिंग हो सकती है। उन्होंने अपनी अन्य प्रॉपर्टीज पर हुए बुलडोजर एक्शन का भी जिक्र किया। कहा कि वे जांच में शामिल होंगे और उन्हें सताया नहीं जाना चाहिए।

कोर्ट की टिप्पणीः जज ने पाया कि लूथरा भाइयों ने तथ्य को छिपाया। उन्होंने कहा था कि वे आग लगने से पहले ही थाइलैंड गए थे, लेकिन दस्तावेजों से पता चला कि उन्होंने आग लगने की जानकारी मिलने के बाद ही टिकट बुक की और देश से बाहर निकल गए। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि लाइसेंस अग्रीमेंट, ट्रेड लाइसेंस और लीज डीड पहले ही एक्सपायर हो चुकी थी।

सीएम शर्मा ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड... संकल्प-पत्र के 70 प्रतिशत काम 2 साल में पूरे किए

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में भजनलाल शर्मा सरकार के दो साल पूरे होने के मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम लोगों ने केवल कहा नहीं, बल्कि करके दिखाया है, यह आंकड़ें इस बात का जीता जगाता सबूत है। हमारी सरकार ने संकल्प-पत्र में कुल 392 संकल्प लिए गए थे, जिसमें से 274 संकल्प या पूरे कर दिए गए हैं या प्रगति पर है। हमारी सरकार ने जो काम 5 साल में पूरे करने का वादा किया था। उसमें से 70 प्रतिशत काम 2 साल में पूरे कर दिए गए है।

सीएम शर्मा ने कहा कि पिछली कांग्रेस की गहलोत सरकार ने पाइपलाइन से लेकर टेंडर तक के स्तर पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी होती थी। मैंने सत्ता में आते ही कहा था कि मछलियां ही नहीं, बड़े मगरमच्छ भी पकड़े जाएंगे। पकड़े भी गए हैं, जेल भी गए। आगे भी किसी को छोड़ने वाले नहीं है।

ओटीएस परिसर के नेहरू भवन में सीएम शर्मा ने सरकार की उपलब्धियां की बुक का विमोचन किया। इस मौके पर डिप्टी सीएम दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, सीएस वी श्रीनिवास और डीजीपी राजीव शर्मा भी रहे मौजूद हैं।

सीएम शर्मा ने कहा कि आज मुझे विधायक दल का नेता चुनने के दो साल पूरे हो चुके है। आज नवाचार दिवस भी हैं। सभी में नवाचार की गुंजाइश रहती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हर साल जनता को अपने काम पर लेकर जोखा देना चाहिए। एक साल पूरा होने पर भी मेरी सरकार ने जनता के सामने अपने काम का लेखा-जोखा रखा था। आज भी 2 साल के रूप में जो काम किया है, उन्हें जनता के बीच में लेकर जा रहे है। मीडिया के माध्यम से भी हम राजस्थान की जनता को उन कार्यों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

सीएम शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस के शासनकाल के समय में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ गई थी। यह किसी से छुपा नहीं है। महिलाओं के साथ बर्बरता हुई। इन्हीं के एक मंत्री ने विधानसभा में कहा कि राजस्थान मर्दों का प्रदेश है इन्हें शर्म नहीं आई, इन्हें बहन बेटियों का दर्द नहीं दिखा। हमारी सरकार ने 2 साल में कानून का राज स्थापित किया है। महिलाओं का सम्मान लौटाया। अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है और कांग्रेस काल में जो अराजकता का दौर फैला उस दौर को हमारी सरकार ने ख़त्म किया है।

बंगाल में चुनाव की तैयारियों को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी की महत्वपूर्ण बैंठक

कोलकाता (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में राज्य और केंद्र की 25 एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक की, ताकि चुनाव पूर्व तैयारियों का आकलन हो सके और आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले जमीनी स्थिति की समीक्षा की जा सके। बैठक को लेकर एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि बैठक में राज्य और केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस आयुक्त और बीएसएफ, एसएसबी, सीआईएसएफ और आरपीएफ के शीर्ष अधिकारी शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय के कोलकाता जोन के विशेष निदेशक भी बैठक में उपस्थित थे। उन्होंने कहा, बैठक मुख्य रूप से चुनाव पूर्व तैयारियों का आकलन करने के लिए बुलाई गई थी।

सीएम ममता बनर्जी ने नहीं भरा एसआईआर फॉर्म, बोलीं- इससे बेहतर है जमीन पर नाक रगड़ना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बंगाल की राजनीति अपने चरम पर है। इसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा बयान देते हुए खुलासा किया कि उन्होंने अब तक एसआईआर फॉर्म नहीं भरा है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने की जरूरत नहीं है और ऐसा करना अपमानजनक है। बनर्जी ने कहा, मैंने अभी तक फॉर्म फिलअप नहीं किया है। क्यों करूं? मैं तीन बार की केंद्रीय मंत्री रही हूं, सात बार सांसद रही हूं और आपके आशीर्वाद से तीन बार मुख्यमंत्री बनी हूं। अब मुझे प्रमाणित करना होगा कि मैं नागरिक हूं या नहीं। इससे तो जमीन पर नाक रगड़ना बेहतर है।

इससे पहले नादिया जिले के कृष्णनगर में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने तीखे शब्दों में आरोप लगाया कि भाजपा और केंद्र सरकार बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, अमित शाह सीधे तौर पर मतदाताओं की सूची से 1.5 करोड़ नाम हटाने की कोशिशों को गाइड कर रहे हैं। अगर एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एक भी योग्य मतदाता को बाहर किया गया तो वह अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने उन रिपोर्टों का हवाला दिया कि जिन लोगों ने अपने दस्तावेजों के हिस्से के रूप में दादा-दादी के नाम जमा किए थे, उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा और उनके नाम रोल से हटाए जाने का खतरा होगा। उन्होंने कहा, अब हम सुनते हैं कि जिन्होंने अपने दादा-दादी के नाम दिए हैं, उन्हें बुलाया जाएगा और योजना है कि इन सुनवाइयों से सीधे नाम हटा दिए जाएं। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री सहित संवैधानिक पदाधिकारियों को 'मार्क्ड इलेक्टर' श्रेणी में रखा जाता है, इसलिए उन्हें सामान्य नागरिकों की तरह फॉर्म भरने की बाध्यता नहीं है। इस श्रेणी में प्रधानमंत्री, सभी मुख्यमंत्री और अन्य संवैधानिक पद धारक शामिल हैं और कानूनी तौर पर उन्हें जनगणना फॉर्म जमा करने की आवश्यकता नहीं है। बंगाल में एसआईआर का पहला चरण आज गुरुवार को खत्म हो रहा है, जिसमें ड्राफ्ट रोल 16 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे और सुनवाई और सत्यापन दिसंबर और जनवरी के मध्य तक जारी रहेंगे। अंतिम मतदाता सूची फरवरी के मध्य में प्रकाशित होने वाली है।

अनुराग ठाकुर की सियासी टिप्पणी से, राजनैतिक चर्चा तेज... अगला रात्रिभोज पीएम मोदी कब देने वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर आयोजित विशेष रात्रिभोज ने सियासी गलियारों में नई चर्चा को जन्म दिया है। इस डिनर में भाजपा और एनडीए के सभी सांसद शामिल हुए। भाजपा नेता गुरु प्रकाश पासवान ने बताया कि रात्रिभोज का उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ संवाद था। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री मोदी संवाद-प्रधान नेतृत्व में विश्वास करते हैं और इसी भावना को मजबूत करने के लिए सांसदों को एक साथ बुलाया गया।

लेकिन डिनर में शामिल वरिष्ठ भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने एक संकेतात्मक टिप्पणी की, जिससे राजनीतिक हलचल और बढ़ गई। ठाकुर ने कहा, ÷बिहार में बंपर जीत के बाद हमें पीएम मोदी ने डिनर पर बुलाया था। अब अगला भोज बंगाल जीत के बाद दिया जाएगा। उनकी यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावी तैयारी और भाजपा की रणनीति से जुड़ी मानी जा रही है।

बात दें कि रात्रिभोज के दौरान प्रधानमंत्री मोदी स्वयं अधिकांश टेबलों तक जाकर सांसदों से भोजन का आग्रह करते दिखाई दिए। मेहमाननवाजी का यह अंदाज सभी सांसदों को प्रभावित कर गया। कुल 50 से अधिक टेबलें लगाई गई थीं, जिन पर 7-8 सांसद बैठे। खास बात यह रही कि हर टेबल पर भाजपा सांसदों के साथ किसी न किसी सहयोगी दल का सांसद जरूर मौजूद रहा, ताकि एनडीए में बेहतर समन्वय और संवाद स्थापित हो सके।

सूत्रों के अनुसार जिस टेबल पर प्रधानमंत्री मोदी बैठे थे, वहां पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा भी मौजूद थे। दो घंटे तक चले डिनर में सांसदों ने विभिन्न राष्ट्रीय और राजनीतिक मुद्दों पर अनौपचारिक बातचीत की। उल्लेखनीय है कि पूरे कार्यक्रम में कोई औपचारिक भाषण नहीं हुआ-प्रधानमंत्री ने केवल संवाद और समन्वय पर जोर दिया। इससे संदेश गया कि एनडीए गठबंधन आगे और मजबूत होकर काम करेगा।

वहीं डिनर में पूरे भारत के स्वाद का समावेश था। खाने के मेन्यू में कश्मीर का कहवा, बंगाल का रसगुल्ला, पंजाब की मिस्सी रोटी, गोंगुरा पनीर, खुबानी मलाई कोफ्ता, कोथिंबीर वड़ी, सब्ज बादाम शोरबा, काकुम-मटर-अखरोट की शम्मी जैसी विशेष डिशेज शामिल थीं। विभिन्न राज्यों के व्यंजनों के सम्मिलन ने कार्यक्रम को सांस्कृतिक रूप से भी खास बना दिया।

पर्यटन से पैसा कमाने का मौका दे रही केंद्र सरकार... होमस्टे के लिए बिना किसी गारंटी के मुद्रा ऋण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने 2025-26 के बजट घोषणापत्र में होमस्टे के लिए मुद्रा ऋण के रूप में बिना किसी गारंटी के संस्थागत ऋण देने का ऐलान किया है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में होमस्टे की स्थापना में सहायता और प्रोत्साहन हो सके। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्यसभा में लिखित प्रश्न के उत्तर में इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पर्यटन मंत्रालय ने प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएमजेयूजीए) के अंतर्गत 'आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे का विकास' (स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना) के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं। केंद्र सरकार की इस योजना का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे तैयार करना है, ताकि जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके, आदिवासी समुदायों के लिए आजीविका के मौके बढ़ाए जा सकें और हितधारकों को आदिवासी गांवों में टिकाऊ पर्यटन प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

इस योजना के तहत ग्राम समुदाय की आवश्यकताओं के लिए 5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता, प्रत्येक परिवार के लिए दो नए कमरों के निर्माण में मदद हेतु 5 लाख तक की सहायता और प्रत्येक परिवार के मौजूदा कमरों के नवीनीकरण के लिए 3 लाख रुपये तक की सहायता दी जाती है।

बता दें, पर्यटन मंत्रालय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन सहित देश के विविध पर्यटन उत्पादों को समग्र रूप से बढ़ावा देता है। यह प्रचार यात्रा कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों के आयोजन और उनमें भागीदारी के माध्यम से, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश सरकारों को मेलों और उत्सवों के आयोजन में सहायता प्रदान करके, आतिथ्य कार्यक्रम के तहत प्रभावशाली व्यक्तियों, पर्यटन संचालकों, पत्रकारों और विचारकों को देश का दौरा करने के लिए आमंत्रित करके, राज्य सरकारों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के सहयोग से वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से प्रचार के विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा किया जाता है।

श्री मृगशिरा नक्षत्र चंद्रमा यज्ञ में ठाकुर जी की बारात को देखने उमड़ा जनसैलाब

बिहारी नाथ देवनारायण के पांच दिवसीय महायज्ञ का समापन, श्री चारभुजानाथ एवं श्री यज्ञ लक्ष्मीजी के (मंगल फेरे) एवं श्री चंद्रमा यज्ञ व पंच कुण्डीय यज्ञ सम्पन्न

हवन में लक्ष्मी मंत्रों की लगाई आहुतियां, किया दीपदान, उमड़े श्रद्धालु

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे में कोटा-चित्तौड़ राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर स्थित धार्मिक मंदिर भगवान बिहारी नाथ देवनारायण की बनी में बानोड़ा बालाजी के आचार्यत्व एवं शेषावतार कल्लाजी महाराज के पावन सान्निध्य में 'श्री रामकृष्ण कल्कि शक्ति महायज्ञ' (पंच दिवसीय पंचकुण्डात्मक महोत्सव) का मंगलवार से प्रारंभ हुआ। श्री राम कृष्ण कल्कि शक्ति महायज्ञ एवं राम दिव्य रथ आचार्यत्व श्री श्री 1008 श्री बानोड़ा बालाजी श्री मृगशिरा नक्षत्र चंद्रमा यज्ञ पंचकुण्डिय भगवान कल्कि अवतार व यज्ञ लक्ष्मी हेतु दशांश हवन तर्पण एवं यज्ञ गांव-गांव में देव स्थान पर दशांश हवन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत अखंड पंच कुण्डीय यज्ञ की पूजा हवन यज्ञ में भगवान लक्ष्मी की मंत्रों की पवित्र आहुतियां लगा दीपदान कर शुभारंभ किया।

शनिवार को बिहारी नाथ देवनारायण मंदिर प्रांगण महायज्ञ कार्यक्रम में श्रीराम श्रीराम कृष्ण कल्कि शक्ति महायज्ञ बानोड़ा बालाजी पंडित कैलाश चन्द्र शर्मा द्वारा हवन पूजन, श्री रामचरित मानस पाठ का दशांश हवन कार्यक्रम को आयोजित पंच कुण्डीय यज्ञ की मंत्रोचार से शुभारंभ किया गया। प्रतिदिन यज्ञ स्थल पर श्री चंद्रमा यज्ञ व पंच कुंडत्मक महायज्ञ में 25 जोड़ों ने श्री चंद्रमा यज्ञ व दशांश हवन, नाम की पवित्र आहुतियां दी। यज्ञ मंडप में विराजित रथ पर भक्त दर्शनार्थ पहुंचे। आस पास के 12 गांवों के श्रद्धालु यहाँ नित्य पूजा-अर्चना कर रहे हैं। जहां ठाकुर जी और माता लक्ष्मी का विधि विधान पूर्वक विवाह संपन्न कराया गया।

श्री मृगशिरा नक्षत्र चंद्रमा यज्ञ में दिनभर दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रही। मंदिर प्रांगण में विशेष सजावट की गई और लोग खरीददारी में भी व्यस्त रहे। यज्ञ में हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान देवनारायण के दर्शन कर यज्ञ का लाभ लिया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री देवनारायण के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। आस-पास के 12 गांवों से भगवान चारभुजा नाथ एवं श्री यज्ञ लक्ष्मीजी का विराट पाणिग्रहण (मंगल फेरे) एवं महायज्ञ की आरती कर महाप्रसाद वितरित किया। देवी-देवताओं की मनमोहक इलेकट्रीक झांकियों का प्रर्दशन प्रतिदिन महायज्ञ के दौरान चारभुजानाथ का बेवाण विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। मंदिर प्रांगण में विशेष रामजी, श्रीकृष्ण, भगवान श्री चारभुजा नाथ की बाल लीलाओं पर आधारित मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र बनी रहे।

श्री चारभुजा नाथ मन्दिर बड़ा लाडपुरा, श्री चारभुजा नाथ मन्दिर छोटा लाडपुरा, श्री लक्ष्मीनाथ मन्दिर अमरतिया,श्री राधा माधव मंदिर अमरतिया झोपड़ा, श्री लक्ष्मीनाथ मन्दिर फूल जी की खेड़ी, श्री चारभुजा नाथ मंदिर डामटी, श्री चारभुजा नाथ मन्दिर गोविंदपुरा, श्री चारभुजा नाथ मन्दिर खंगारजी का खेड़ा, श्री चतुर्भुज जी मन्दिर श्यामगढ़, श्री चारभुजा नाथ मन्दिर पदमपुरा श्री देवनारायण मन्दिर भारिण्डा, श्री बिहारी नाथ देवनारायण मंदिर लाडपुरा सहित आसपास के गांवों से आए। भगवान चारभुजा नाथ की बारात गाजे बाजे के साथ आए थे। श्री बनोड़ा बालाजी के द्वारा राशि 251000 रुपए देवनारायण कमेटी को भेंट राशि दी गई। देवनारायण कमेटी ने विभिन्न मंदिरों से आए भगवान को प्रति बेवाण पर 11 हजार रुपए और प्रति पुजारी 2500, रुपए भेंट राशि दी गई। शुक्रवार को रात्रि में आयोजित भजन संध्या में कलाकार प्रिया राजस्थानी भीलवाड़ा, धीरज, शंभू सुरास, बनवारी सुथार, दैवेन्द्र, नरेश सुथार, एंड पार्टी मंडल ने भजनों की शानदार प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे।

इस धार्मिक अनुष्ठान में बिहारी नाथ देवनारायण मंदिर विकास समिति अध्यक्ष नन्द किशोर सनाढ्य, संरक्षक रणजीत प्र सिंह शक्तावत, जोगणियां माता शक्तिपीठ अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी, भगवान सुथार, दिनेश सिंह शक्तावत, मोडू माली, शंभू धाकड़, नंद गुर्जर, कालू सुथार, सहित बानोड़ा से कमलेश सुधार व शंभू सुधार एवं समस्त ग्रामवासी में उपस्थित रहे। लाडपुरा चौकी प्रभारी राम सिंह, हाकिम गुर्जर, भंवरलाल, आदि कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

एनएचएआई की लापरवाही से गई बाइक चालक पति की जान, पत्नी गंभीर घायल

गड्ढे में बाइक का संतुलन बिगड़ा पीछे से आए ट्रक ने रौंद डाला

मुआवजे को लेकर प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

भीलवाड़ा अजमेर नेशनल हाइवे पर रूपाहेली भट्टे के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया जिसमे एनएचएआई की लापरवाही सामने आई है । बाइक सवार दंपती को ट्रक ने रौंद दिया हादसे में पति की मौके पर मौत हो गई जबकि पत्नी जिंदगी और मौत से जंग लड़ रही है । वही घटना से आक्रोशित ब्राह्मण समाज के लोगो ने हाइवे पर शव रखकर प्रदर्शन किया और मुआवजे की मांग की। इस दौरान गुलाबपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश के प्रयास किए । जानकारी के अनुसार गुलाबपुरा थाना क्षेत्र में रूपाहेली भट्टे के पास अचानक गड्ढे में बाइक जाने से बाइक का संतुलन बिगड़ गया इस दौरान पीछे से आए ट्रक ने बाइक को चपेट में ले लिया । हादसे में बाइक सवार पति की मौके पर ही मौत हो गई वही पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई । सूचना पर गुलाबपुरा थाना पुलिस मौके पार पहुंची । घायल पत्नी को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया वही घटना से आक्रोशित ब्राह्मण समाज के लोगो ने हाइवे पर जाम लगा दिया और शव के साथ प्रदर्शन किया और एनएचएआई पर आरोप लगाते हुए मुआवजे की मांग की । दंपती की पहचान अरविंद शर्मा और विजय लक्ष्मी के रूप में हुई । शनिवार को पति पत्नी दोनो भीलवाड़ा में किसी परिचित के यहां शादी समारोह में जा रहे थे । नेशनल हाइवे पर पेच वर्क का काम चल रहा है लेकिन उसे अधूरा छोड़ा हुआ है । इस दौरान गड्ढे में बाइक के जाने से संतुलन बिगड़ गया और दंपत्ति बाइक सहित जमीन पर गिर गए इस बीच पीछे से आए ट्रक ने दोनो को रौंद दिया दोनो ट्रक के पिछले टायर के नीचे दब गए । वही गुलाबपुरा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आक्रोशित लोगों से समझाइश कर मामले को शांत किया और उचित कार्यवाही का आश्वाशन दिया । इस दरमियान हाइवे पर वाहनों का लंबा जाम लग गया जिसे पुलिस ने मशक्कत कर खुलवाया । मृतक के शव का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों के सुपुर्द किया । पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रबोधकों ने की पुरानी सेवा गणना करने की मांग

स्मार्ट हलचल| बनेड़ा

अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ शाखा के तत्वावधान में प्रबोधको ने पुरानी सेवा गणना करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा । प्रबोधक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष जगदीश चन्द्र सुथार एवं जिला मंत्री ललित तिवाड़ी के नेतृत्व में प्रबोधको ने शुक्रवार को एसडीएम श्रीकांत व्यास को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम सोपे अपने ज्ञापन में बताया कि प्रबोधको ने पूर्व में पेराटीचर शिक्षा सहयोगी शिक्षा कर्मी के रूप में सेवाएं दी है। जिसकी गणना को भी सेवा अवधि में जोड़ने की मांग कि है। इस दौरान महावीर वैष्णव भवानी सिंह देबीलाल खारोल सहित अन्य जने उपस्थित थे।

बूदर गुर्जर आत्महत्या मामले में निर्दोष लोगों को फंसाने का आरोप, पत्नी, जीजा और अन्य ने रचा षड्यंत्र

आत्महत्या के लिए किया मजबूर

स्मार्ट हलचल| पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर करेड़ा थाना क्षेत्र के सिंजाडी का बाडिया चिताम्बा गांव के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया इससे पूर्व उन्होंने मुखर्जी उद्यान से कलेक्ट्रेट तक एक विरोध रैली निकाली। वही प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन को ज्ञापन दिया जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि बूदर गुर्जर के आत्महत्या मामले में निर्दोष लोगों को फसाया जा रहा है। उन्होंने इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। पीड़ित मिट्ठू लाल गुर्जर ने कहा कि चार-पांच महीने पहले मेरे भाई बूदर गुर्जर सुसाइड कर लिया इसके कुछ दिन बाद मेरे भाई की पत्नी पूजा गुर्जर ने अपने पीहर जाने के बाद मुझ पर और मेरे परिवार पर झूठा मुकदमा दर्ज करवा दिया।

जबकि आत्महत्या के दिन मैं अहमदाबाद था और मेरे घर वाले भी बाहर गए हुए थे। उस दिन घर पर मेरी मां , मेरे भाई की पत्नी और मेरे अंकल थे। जब मेरा भाई बूदर गुजरात में रहता था तो उसकी पत्नी पूजा ने उसको वापस अपने गांव बुलाया व बूदर से रूपये खर्च करवा कर पूजा ने अपने नाम से ग्राम चिताम्बा में करीब 2 बीघा जमीन खरीद करवायी और उसमे एक फेक्ट्री न्यू भेरूनाथ डायमण्ड टूल्स के नाम से निर्माण करवाया जिसका शुभारंभ होना था कि पूजा गुर्जर ने उसके जीजा राकेश गुर्जर व भैरू गुर्जर के साथ आपस मे मिली भगत कर नाजायज रूप से तंग एवं परेशान करना शुरू कर दिया कि तूम उक्त फेक्ट्री में राकेश गुर्जर व भैरू गुर्जर को भागीदार रखो इस पर बूदर गुर्जर ने ऐसा करने से मना किया तो उक्त तीनो आये दिन बूदर गुर्जर को आये परेशान करने लग गये व मारपीट करने लग गये व डराने धमकाने लग गये और बूदर की हत्या करने व सबूत नष्ट करने का डर बताने लग गये और दिनांक 18.08.2025 को तीनो ने फेक्ट्री में बूदर को काफी मानसिक रूप से परेशान किया व उसके साथ मारपीट की और उक्त तीनो अभियुक्तगण वहां से चले गये और पूजा भी उसके जीजा के साथ, जीजा के घर ग्राम भिंचौर चली गयी। इसके बाद मेरे भाई ने आत्महत्या कर ली जो सीसीटीवी में भी दिखाई दे रहा है कि मेरा भाई एक रस्सी लेकर कमरे में जा रहा है। मेरे भाई की पत्नी पूजा व उसका जीजा राकेश व भैरू ने अपराधिक षडयंत्र रचकर बूदर को साजिश पूर्वक तरीकें से बूदर को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया जिस कारण से बूदर ने आत्महत्या की है।

खारोलिया खेड़ा के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से सड़क पार कर रहे अधेड की हुई दर्दनाक मौत

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। पुर थाना क्षेत्र के खारोलिया खेड़ा के समीप एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से सड़क पार कर रहे एक अधेड की दर्दनाक मौत हो गई। पुर थाना पुलिस ने बताया कि शंकर पिता भोना रैगर उम्र 55 वर्ष जो की मूल रूप से गंगरार और हाल पुर का निवासी है। शनिवार शाम को थाना क्षेत्र के खारोलिया खेड़ा के समीप सड़क पार कर रहा था इसी दौरान उसे एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने अपनी चपेट में ले लिया । हादसे में घायल अधेड़ को ईलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया,जहा ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाते हुए मृतक के परिजनों को सूचना दी ।रविवार को परिजनो की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

डंपर ने लिया बाइक को चपेट में, दो युवक गंभीर रूप से घायल

स्मार्ट हलचल| बिजौलिया

बिजौलिया क्षेत्र में एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को चपेट में ले लिया जिससे बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हे कोटा

अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां एक युवक की हालत ज्यादा गंभीर होने से उसे जयपुर रैफर कर दिया। जानकारी के अनुसार छोटी बिजौलिया निवासी महेश पूरी और उसका साथी विनय धाबाई अपने गांव से बाइक पर तिलस्वां दर्शन करने निकले थे बीच रास्ते में सांगरिया के पास तेज रफ्तार डंपर चालक ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी । हादसे में दोनो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए । राहगीरों की सूचना पर परिजन मौके पर पहचे और दोनो घायलों को कोटा के निजी अस्पताल लेकर गए । महेश के सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से नाजुक हालत में उसे जयपुर रैफर कर दिया गया वही विनय का कोटा में उपचार जारी है । पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

फलासिया स्कूल में भामाशाह की अनूठी पहलः बच्चों को मिली जर्सी, जूते और खिलौने तो खिल उठे चेहरे

पूर्व भू-वैज्ञानिक श्याम सुन्दर आमेटा ने बढ़ाया मदद का हाथ, सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछकर बच्चों का बढ़ाया हौसला

स्मार्ट हलचल। फलासिया

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय फलासिया में बुधवार को भामाशाहों के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्दी के मौसम को देखते हुए विद्यालय के भामाशाह और पूर्व भू-वैज्ञानिक श्याम सुन्दर आमेटा की ओर से छात्र-छात्राओं को जर्सी, जूते और छोटी कक्षाओं के बच्चों के लिए शिक्षण सहायक सामग्री (खिलौने) वितरित किए गए। नई जर्सी और खेल-खिलौने पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

जीके क्विज से परखा ज्ञान

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्याम सुन्दर आमेटा थे, जबकि अध्यक्षता राजकुमार आमेटा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में एसएमसी अध्यक्ष उदयलाल धाकड़ मौजूद रहे। वितरण समारोह के दौरान भामाशाह श्याम सुन्दर आमेटा ने केवल सामग्री ही नहीं बांटी, बल्कि विद्यार्थियों से संवाद भी किया। उन्होंने बच्चों से सामान्य ज्ञान के रोचक प्रश्न पूछे और सही जवाब देने पर उनका उत्साहवर्धन करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इन्होंने जताया आभार

संस्था प्रधान रामकुंवर धोबी ने भामाशाह आमेटा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का मनोबल बढ़ता है। कार्यक्रम का सफल संचालन मनोज कुमार ने किया। इस अवसर पर ग्रामवासी सुरेश आमेटा, महावीर प्रजापत सहित विद्यालय स्टाफ मांगीलाल धाकड़, विजेता धनवाल और मीनू बैरवा उपस्थित रहे।

बनेड़ा पहुंचे उपमुखमंत्री बैरवा

स्मार्ट हलचल| बनेड़ा

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री प्रेम चन्द्र बैरवा शनिवार दोपहर को भीलवाड़ा जाते समय अचानक बनेड़ा पहुंचे। पंचायत समिति परिसर में उपमुख्यमंत्री बैरवा का विधायक लाला राम बैरवा बैरवा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। साथ ही उप मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से मिलकर के उनकी समस्याओं को सुनकर के समाधान का भरोसा दिलाया गया। इस दौरान राजाधिराज गोपाल चरण सिसोदिया प्रधान प्रतिनिधि विजेन्द्र सिंह राठौड़ जिला वालीवाल संघ के अध्यक्ष लक्ष्मी लाल सोनी राजमल माली केलाश माली शंकर लाल कुमावत सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

सवाईपुर में पुलिस की निगरानी में बटा यूरिया खाद, सुबह से भुखे प्यासें लगे कतारे में

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर कस्बे में शनिवार को यूरिया खाद का वितरण किया गया, किसानों की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस की निगरानी में खाद का वितरण किया गया । रबी के सीजन में गेहूं, जौं, चना व सरसों की फसल के लिए यूरिया खाद को लेकर किसानों को बड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ रहा है, गत दिनों कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा सवाईपुर से होकर गुजरे, इस दौरान ग्रामीणों व विभिन्न संगठनों द्वारा कृषि मंत्री मीणा से किसानों ने समय पर यूरिया खाद उपलब्ध करवाने की मांग की । शुक्रवार को सवाईपुर में निजी संस्था में खाद पहुंचा, जिसका शनिवार सुबह से ही खाद का वितरण किया, दुकान पर सुबह से ही यूरिया खाद के लिए प्रातः 7 बजे किसान कड़ाके की सर्दी में पहुंचे, किसानों की कतारें बढ़ने लगी जो नेशनल हाईवे तक पहुंच गई । किसानों की भीड़ को देखते हुए सवाईपुर चौकी पुलिस को सूचना दी, मौके पर पुलिस कांस्टेबल रजनीश कुमार व संदीप कुमार मौके पर पहुंचे, पुलिस की निगरानी में किसानों को खाद वितरित किया गया, 640 यूरिया खाद के कट्टे को लेने के लिए 900 से अधिक किसान पहुंचे । इस दौरान कृषि पर्यवेक्षक किशन गुर्जर, संचालक हिमांशु श्रोत्रिय आदि कई मौजूद रहे ।

सांगानेर में कोठारी नदी के पास अतिक्रमण पर गरजा बुलडोजर, नियमो का उल्लंघन करनें पर आजाद चौक में कॉम्प्लेक्स सीज

स्मार्ट हलचल|पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा नगर निगम ने शनिवार सुबह शहर में अवैध निर्माण और सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ एक व्यापक और सख्त अभियान चलाया। निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने दो प्रमुख क्षेत्रों–सांगानेर और आजाद चौक–में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी अवैध गतिविधियों के खिलाफ यह सख्ती जारी रहेगी।अभियान की शुरुआत शहर के सांगानेर क्षेत्र में कोठारी नदी के समीप अल सुबह करीब 5 बजे हुई। नदी के पास सार्वजनिक भूमि पर लंबे समय से फैले अतिक्रमण को हटाने के लिए निगम ने मोर्चा संभाला। इस कार्रवाई के लिए तीन जेसीबी मशीनें लगाई गईं और करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद अवैध कब्जों को पूरी तरह से हटा दिया गया। कार्रवाई के दौरान किसी भी संभावित विरोध या कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए थे। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) पारस जैन, नगर निगम आयुक्त हेमाराम, और उपाधीक्षक (शहर) मौजूद रहे । इसी क्रम में कार्रवाई के दूसरे चरण की शुरुआत शहर के व्यस्तम इलाके आजाद चौक से हुई। यहां अप्सरा कॉम्प्लेक्स के पास स्थित एक व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में निर्माण नियमों का गंभीर उल्लंघन पाया गया। नगर निगम की टीम ने दस्तावेज़ों की जांच और मौक़ा मुआयना करने के बाद कॉम्प्लेक्स को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया। निगम अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई उन सभी बिल्डरों और संपत्ति मालिकों के लिए एक चेतावनी है जो मास्टर प्लान और बिल्डिंग बायलॉज की अनदेखी कर अवैध निर्माण कराते हैं। यह जानकारी निगम के अतिक्रमण शाखा के जोरावर सिंह ने दी।

भूणास गांव में दलित दूल्हे की बिंदोली रोकी, दुल्हे को घोड़ी से नीचे उतरा

दुल्हे के परिवारजनों से की गई मारपीट, कारोई पुलिस थाने में हुआ मामला दर्ज

स्मार्ट हलचल| गंगापुर

भूणास गांव दलित दूल्हे की बिंदोली रोक दी गई, दुल्हे को घोड़ी से निचे उतरा गया और दुल्हे के परिवारजनों से दबंगों ने मारपीट की। कारोई पुलिस सूत्रों के अनुसार प्रार्थी अशोक पिता डालचंद बेरवा निवासी भूणास ने 10 आरोपियों के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट कारोई थाने में दर्ज करवा कर बताया कि मेरे भतीजे पिंटू बैरवा की शादी के दौरान शुक्रवार को रात्रि में भूणास गांव में बिंदोली निकाल जा रही थी। बिंदोली गांव के बीच पहुंची की आरोपी सुग्रीव सिंह, दिगपाल सिंह, पृथ्वीराज सुथार, नरेंद्र शर्मा, किशन गुर्जर, सुखदेव टेलर, विकास टेलर, महावीर सुथार, प्रिंस वैष्णव और अनिल सुथार बिंदोली रूकवा दी, दूल्हे प्रिंस को घोड़ी से नीचे उतार दिया, गुंडागर्दी करने लगे, आपत्ति करने पर परिवार जनों के साथ मारपीट करने लगे। कारोई पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया। मामले की जांच गंगापुर पुलिस उपाधीक्षक सुदर्शन पालीवाल कर रहे हैं।

चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

कारोई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपी सुग्रीव सिंह, दिगपाल सिंह, पृथ्वीराज सुथार और नरेंद्र शर्मा निवासी भूणास को गिरफ्तार कर लिया। 6 आरोपियों की पुलिस कर रही है सरगर्मी से तलाश।

शाहपुरा में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा में जनसहभागिता नदारद

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार शाहपुरा में इन दिनों सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना, सड़क दुर्घटनाओं के कारणों को समझाना तथा लापरवाही से होने वाले हादसों की रोकथाम करना है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अभियान का तीसरा दिन भी आज अपेक्षित जनजागरूकता पैदा करने में असफल नजर आया। शनिवार को पुलिस थाना परिसर से पुलिस एवं परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक वाहन रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश आम जनता तक पहुंचाने का दावा किया गया, लेकिन जनसहभागिता के नाम पर स्थिति निराशाजनक रही। रैली में आम नागरिकों की मौजूदगी न के बराबर दिखाई दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसका प्रमुख कारण यह रहा कि पुलिस और परिवहन विभाग के आला अधिकारियों ने आम जनता को समय रहते सूचना देना आवश्यक नहीं समझा। सूत्रों के अनुसार दोनों विभागों के अधिकारियों ने अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए कुछ टैक्सी चालकों को बुला लिया और विभागीय कार्मिकों के साथ वाहन रैली निकालकर औपचारिकता पूरी कर ली। न तो विद्यालयों के विद्यार्थियों को जोड़ा गया और न ही सामाजिक संगठनों, व्यापारियों अथवा आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की गई। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि बिना जनता की सहभागिता के यह अभियान कितना सफल हो पाएगा। सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा पखवाड़ा आम जनता की सुरक्षा के लिए चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग, निर्धारित गति सीमा के पालन, नशे में वाहन न चलाने तथा यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर लोगों को जागरूक करना है। लेकिन जब आम नागरिकों को ही अभियान से दूर रखा जाएगा, तो जनजागरण का उद्देश्य अधूरा ही रह जाएगा। शनिवार को रैली देखने के दौरान कई नागरिकों ने आपस में चर्चा करते हुए सवाल उठाया कि केवल वाहन रैली निकाल देने से सड़क सुरक्षा की भावना कैसे मजबूत होगी। यदि विभागीय अधिकारी जनता की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते, तो निश्चित रूप से अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आते।

उल्लेखनीय है कि शाहपुरा में जिला परिवहन अधिकारी पद-स्थापित हैं तथा पुलिस विभाग में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भी पद-स्थापित हैं। इसके बावजूद अभियान के प्रचार-प्रसार और योजना में कमी साफ नजर आई। विशेषज्ञों का मानना है कि सड़क सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर चलाए जाने वाले अभियानों में सरकारी अमले के साथ-साथ समाज के हर वर्ग की भागीदारी आवश्यक होती है। अब आमजन की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा वास्तविक जनजागरूकता का स्वरूप ले पाएगा या फिर यह अभियान केवल औपचारिक कार्यक्रमों तक ही सीमित रह जाएगा।

सरथला श्याम की बारात स्वागत

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर कस्बे में सरथला श्याम की बारात का भव्य स्वागत किया गया । ठाकुर जी की आरती की गई । प्रहलाद साहु ने बताया कि सरथला श्याम की बारात भीलवाड़ा में मोड़ीराम तेली के घर आयोजित विवाह समारोह में जा रही थी, इस दौरान सवाईपुर कस्बे के मुख्य चौराहे पर ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया, ग्रामीणों ने हरी बोल प्रभात फेरी में भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां दी, वही ठाकुर जी की बारात पर पुष्प वर्षा कर फूला का हार पहनाया, और ठाकुर जी की आरती कर प्रसादी का भोग लगाया गया । जयकारों के साथ सभी स्वागत किया गया । इस दौरान गोपाल लाल तेली, बालुलाल सुवालका, ओमप्रकाश ओझा, प्रकाश पाराशर, जगदीश उपाध्याय, जगदीश लोहार,पूर्व सरपंच महावीर सुवालका, भंवर सेन, मुकेश श्रोत्रिय, भगवती लाल राव, कालु टेलर, भेरुलाल शर्मा, सोहन दरोगा, नरेंद्र सिंधी, सांवर मल शर्मा, राधेश्याम सुवालका, बबलू सिंह, मोड़ सिंह, मनीष सुथार सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष मौजूद रहे । वही इस दौरान सवाईपुर चौकी पुलिस मौजूद रही, वह यातायात को सुचारू रखा।

मांडल उपशाखा में राजस्थान पटवार संघ के चुनाव हुए सम्पन्न

स्मार्ट हलचल

मांडल। उपखंड मुख्यालय पर शनिवार को राजस्थान पटवार संघ उपशाखा के चुनाव सम्पन्न हुए । निर्वाचन अधिकारी ऑफिस कानूनगो तहसील कार्यालय मांडल ने बताया कि शनिवार को तहसील कार्यालय मांडल में राजस्थान पटवार संघ उपशाखा के चुनाव सम्पन्न हुए जिसमें सर्वसम्मति से निम्न पदों अध्यक्ष- राम सिंह, उपाध्यक्ष -अनिल चौधरी, मंत्री- दिग्विजय सिंह, संयुक्त मंत्री -दिनेश, संगठन मंत्री- सुरेंद्र सिंह एवं कोषाध्यक्ष निकीता जैन को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर मांडल तहसीलदार उत्तम जांगीड़ एवं मांडल क्षेत्र के 12 पटवारी मौजूद रहे।

सहाड़ा विधानसभा के हर गांव में सुशासन रथ यात्रा पहुंचाएगी सरकार का संदेश, जनता को विकास योजनाओं की देगी जानकारी

स्मार्ट हलचल| रायपुर

राजस्थान सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सुशासन पखवाड़े के तहत सहाड़ा विधानसभा में क्षेत्रवार रथ यात्रा का भव्य शुभारंभ शनिवार रायपुर पंचायत समिति परिसर में हुआ। यह अभियान 13 दिसंबर से 26 दिसंबर तक चलेगा, इस अवसर पर विधायक ने रथ यात्राओं के चालकों और परिचालकों का माला पहनाकर स्वागत किया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार, रथ के पहियों के नीचे श्रीफल और मिष्ठान रखकर विधिवत पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद रथ को उनके संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के लिए रवाना किया गया। इससे पूर्व पंचायत समिति सभागार में बैठक रखी जिसमें सरकार द्वारा 2 वर्ष पूर्ण की उपलब्धियां की तुलनात्मक विवरण बताया गया तथा इन रथ यात्राओं के जरिए राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और सुशासन की उपलब्धियों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई जाएगी कार्यक्रम में विधायक, उपखंड अधिकारी करुणा लाडोती, थाना सर्किल इंस्पेक्टर शिंभू दयाल, विकास अधिकारी पंचायत समिति रायपुर संजय शर्मा, मंडल अध्यक्ष डॉ मीरा किराड़,ग्राम विकास अधिकारी राम लाल माली, बाल विकास कल्याण विभाग के सूर्यभान सिंह चुंडावत, भाजपा नेता लेहरू लाल कुमावत, दिनेश माली, विशाल वैष्णव, जगदीश काबरा, गीता त्रिवेदी, शिवप्रकाश खटोड़, विष्णु टेलर, रघुराज सालवी, मांगी लाल खाती, काना माली,सहित अनेक जनप्रतिनिधि,अधिकारी और भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। सुशासन पखवाड़े के तहत आयोजित ये रथ यात्रा विधानसभा के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सरकार की नीतियों और योजनाओं का संदेश घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करेंगी।

अवैध बजरी परिवहन करता ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। बड़लियास थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन पर कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर ट्रॉली को बजरी परिवहन करते हुए जब्त किया । थाना अधिकारी महेंद्र मीणा ने बताया कि थाना क्षेत्र के गेंदलिया के निकट रेण सरहद पर अवैध बजरी परिवहन करते एक ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त कर थाने लाकर खड़ा किया । पुलिस ने माइनिंग विभाग को इसकी सूचना दी । पुलिस की इस कार्रवाई से बजरी माफियों में हड़कंप सा मच गया।

राजकीय महाविद्यालय व कन्या महाविद्यालय जहाजपुर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर, आत्मरक्षा प्रशिक्षण का हुआ प्रभावशाली समापन

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। राजकीय महाविद्यालय एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में कैलेंडर ऑफ एक्टिविटी के अंतर्गत आज 13 दिसंबर को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही राजकीय कन्या महाविद्यालय (रानी लक्ष्मीबाई केंद्र) में संचालित आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. शिखा जगरवाल ने की। चिकित्सालय से आई मेडिकल टीम का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में डॉ. अनिल निर्वाण (दंत सहायक), डॉ. नितिन टेपण (नेत्र सहायक), डॉ. मोहम्मद असफाक (लैब टेक्नीशियन) एवं राजेश मीणा (सीएचओ) द्वारा छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य जांच की गई। चिकित्सकों ने जांच के दौरान विद्यार्थियों में पाई गई स्वास्थ्य संबंधी कमियों की जानकारी देते हुए उन्हें दूर करने के उपाय भी बताए।

इसी क्रम में राजकीय कन्या महाविद्यालय में चल रहे आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित हुआ। शारीरिक शिक्षिका सुनीता पाराशर ने बालिकाओं को रानी लक्ष्मीबाई से प्रेरणा लेकर आत्मविश्वास के साथ जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त बालिकाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रशिक्षण के अंतर्गत भारतीय वीरांगनाओं पर आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को महाविद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। आत्मरक्षा प्रशिक्षण के बाद बालिकाओं में आत्मविश्वास का स्पष्ट परिवर्तन देखने को मिला। जो बालिकाएं पहले मंच पर आने से हिचकिचाती थीं, उन्होंने आज पूरे जोश के साथ मंच पर आकर आत्मरक्षा के गुर–पंच, ब्लॉक, किक व हैंड मूवमेंट्स–का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रभारी सुनीता देवी मीणा ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों, महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक साहित्यिक कार्यक्रम के तीसरे दिन कबड्डी, बोरा रेस, उल्टी दौड़ सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

स्मार्ट हलचल| शाहपुरा

शाहपुरा महाप्रभु स्वामी रामचरण कन्या महाविद्यालय में चल रहे संस्कृति संगम सांस्कृतिक साहित्यिक कार्यक्रम के तीसरे दिन कबड्डी, बोरा रेस, उल्टी दौड़, तीन टांग दौड़, 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ । प्राचार्य डॉ ओमप्रकाश कुमावत ने कहा कि खेलों को हार-जीत की भावना के साथ नहीं बल्कि खेल भावना से खेलना चाहिए। पढाई के साथ-साथ खेलों का जीवन में बहुत महत्व है। इससे शारीरिक विकास होता है। खेल के क्षेत्र में भी छात्राऔ ने कई मुकाम हासिल किए हैं। छात्राओं ने सभी प्रतियोगिताओं में उत्साह से भाग लिया । खेल प्रभारी लेखराज पाराशर ने बताया कि प्रतियोगिता के दोरान कबड्डी में बी.एड. व डीएलएड प्रथम दोनों टीमों मे बराबर का मुकाबला रहा, बोरा रेस में बी.एड. से पूजा तेली प्रथम, डीएलएड से कोमल धोबी प्रथम, तीन टांग रेस में बी.एड. से डिम्पल व पूजा जाट प्रथम, डीएलएड से कोमल धोबी व रितु धोबी प्रथम, उल्टी दौड़ में बी.एड. से अनीशा सरपटा प्रथम, डीएलएड में जान्हवी ओझा प्रथम, 100 मी दौड़ में बी.एड. से डिम्पल दरोगा प्रथम, डीएलएड में अनु खारोल प्रथम, स्थान पर रही।

जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने कराई महिला को दवाइयां उपलब्ध

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। जिला माहेश्वरी महिला संगठन भीलवाड़ा द्वारा अरिहंत हॉस्पिटल में जरूरत मंद महिला को लड़की के जन्म के अवसर पर प्रसूति की दवाइयां उपलब्ध कराई। अध्यक्ष प्रीति लोहिया ने बताया कि आगे भी आवश्यकता होने पर मदद की जाएगी। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सीमा कोगटा ने कहा की महिला संगठन द्वारा जरूरतमंद महिला को प्रसूति की दवाइयां उपलब्ध कराना एक सराहनीय कदम है। इस तरह के कार्य समुदाय में महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देते हैं। इस दौरान उपाध्यक्ष अंकिता राठी, जिला उपाध्यक्ष निशा काकाणी, सुनीता बलदवा सहित हॉस्पिटल स्टॉफ के सदस्य उपस्थित मौजूद रहे।

सालमपुरा माता मंदिर क्षेत्र में गन्दगी का आलम, अंग्रेजी बबूल से परेशानी, नहीं है पार्किंग, न रोड लाइट की व्यवस्था, श्रद्धालु परेशान

स्मार्ट हलचल

गुरला। पुर क्षैत्र के प्रसिद्ध झांतला माता मन्दिर जिसे सालमपुरा या बीड़ा का माता जी के नाम से जाना जाता है जो नगर निगम भीलवाड़ा व विधान सभा भीलवाड़ा के अन्तर्गत आता है जो मूलभूत सुविधाओं से महरूम है परंतु नगर निगम के अधिकारियों द्वारा इस स्थान के लिए कोई सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई जा रही हैं । माता रानी के मुख्य द्वार पर गन्दगी से वहां श्रद्धालु रुक नहीं सकते हैं और अंग्रेजी बबुल की टहनियां नीचे झुकी हुई है जिससे लोगों को चोट पहुंच रही हैं, साथ ही बाहर रोड लाइट नहीं होने से श्रद्धालुओं को खतरा बना रहता है और पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से वाहन खड़े करने में परेशानी होती है सड़क किनारे झाड़ियों व विलायती बबूल से वाहन चालकों को दुर्घटना होने की संभावना है ।

माता के भक्तों की मांग

सालमपुरा माताजी के श्रद्धालु ने माता जी के मुख्य द्वार पर गंदगी को हटाते हुए रोड के दोनों किनारे सीमेंट ब्लॉक करने की मांग की है साथ ही सीसी रोड 500 - 500 मीटर पुर व सालमपुरा की और बनवाएं, पार्किंग व्यवस्था बनवाई जाए, विलायती बबूल व अन्य झाड़ियां को रोडो से हटवा कर छायादार पेड़ लगाया जाए, रोड लाइट के 10-10 खंबे पुर और सलामपुरा साइड में लगवाएं जाए, सुलभ शौचालय की मरम्मत कर सप्ताह में दो दिन सफाई करवाई जाए।

अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन को लेकर भीलवाड़ा के पदाधिकारियो ने कि सभापति से विस्तृत चर्चा

9 से 11 जनवरी 2026 तक सूर्यनगरी जोधपुर में होगा माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन

स्मार्ट हलचल

भीलवाडा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के के नेतृत्व में आगामी 9 से 11 जनवरी 2026 तक सूर्यनगरी जोधपुर में माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन होगा। यह आयोजन सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक एकता का विराट उत्सव होगा, जिसमें देश-विदेश से समाज के प्रबुद्धजन और समाजबधू शामिल होंगे। जिला अध्यक्ष अशोक बाहेती के नेतृत्व में जिला पदाधिकारीयों ने अधिवेशन मे आवास व्यवस्था सहित भीलवाड़ा माहेश्वरी समाज की सहभागिता एवं माहेश्वरी गौरव ग्रंथ के प्रकाशन के संदर्भ में महासभा के सभापति संदीप काबरा एवं अन्य पदाधिकारीयो से जोधपुर में उनके निजी आवास पर भेंट कर विस्तृत चर्चा कर जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जिला मंत्री रमेश राठी, कोषाध्यक्ष सुशील मरोटिया, नगर सभा संगठन मंत्री प्रमोद कुमार डाड उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष अशोक बाहेती ने बताया की माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श कर समाजहित मे आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

निःस्वार्थ भाव से आगे आकर जरूरतमंदों की मदद करे-पीईईओ रेगर

धामनिया में भामाशाह ने की 102 विद्यार्थियों को ऊनी वस्त्र वितरण

स्मार्ट हलचल| काछोला

क्षेत्र के धामनिया प्राथमिक विद्यालय में भामाशाहों द्वारा कक्षा 1 से 5 तक के 102 विद्यार्थियों को धामनिया पीईईओ नन्द किशोर रेगर के मुख्य आतिथ्य,ब्लॉक कॉर्डिनेटर विनोद कुमार कोली की अध्यक्षता में ,व प्राध्यापक हीरा लाल शर्मा, जगदीश चन्द्र मंत्री के विशिष्ट आतिथ्य में ऊनी वस्त्र वितरण किये।सभी अतिथियों का स्वागत संस्था प्रधान मोहम्मद शाबिर रँगरेज, पंकज त्रिवेदी ने किया।मुख्य अतिथि पंचायत प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी नन्द किशोर रेगर ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है हम सभी को जरूरतमंदो की सेवा के लिए आगे आना चाहिए यह बात विद्यार्थियों को जर्सी वितरण करते हुए कही उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग का यह दायित्व है कि वह निःस्वार्थ भाव से आगे आकर जरूरतमंदों की मदद करे,जरूरतमंदों की मदद करने से न सिर्फ उन्हें जरूरी सुविधा मिलती है बल्कि इससे समाज का भी विकास होता है।संस्था प्रधान रँगरेज ने कहा भामाशाह द्वारा हर वर्ष स्कूलों में जर्सी, स्कूल शूज, जुराब एवं जहाँ जो भी जरूरत होती है उसे पूरा करने की हर संभव कोशिश करती है। भामाशाह द्वारा किये गए इस नेक कार्य के लिए स्कूल के स्टाफ व विद्यार्थियों ने धन्यवाद दिया।स्कूल के बच्चो द्वारा बहुत सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए।इस अवसर पर दुर्गा देवी बलाई, पंकज कुमार त्रिवेदी, संजु बलाई, टीना कुमारी तेली, सीमा देवी, गीता देवी सहित आदि उपस्तिथ थे।

हमीरगढ़ तहसील में डीआईएलआरएमपी योजना के तहत सर्वे-रिसर्वे कार्य तेज, कई राजस्व ग्रामों में फार्म-7 पर्चा नोटिस वितरण

स्मार्ट हलचल| मंगरोप

भू-प्रबंध विभाग हमीरगढ़ द्वारा तहसील क्षेत्र में भारत सरकार की डीआईएलआरएमपी (डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम) योजनान्तर्गत सर्वे-रिसर्वे का कार्य प्रगति पर है। इसी क्रम में तहसील हमीरगढ़ के विभिन्न राजस्व ग्रामों में फार्म नंबर-7 (पर्चा नोटिस) का वितरण कर काश्तकारों एवं खातेदारों से आपत्तियां आमंत्रित की जा रही हैं।तहसील हमीरगढ़ के राजस्व ग्राम नाथड़ियास,झौपड़िया, कीरो की झौपड़िया, बिलियाकलां, गुवारड़ी, बरसोलिया पातलिसास एवं दलेलसिंह का खेड़ा में संबंधित ग्रामों में कैंप आयोजित कर फार्म-7 पर्चा नोटिस काश्तकारों को वितरित किए गए हैं।इस संबंध में तहसीलदार एवं सहायक भू-अभिलेख अधिकारी भंवरलाल सेन ने बताया कि इन ग्रामों के कुछ काश्तकार तहसील हमीरगढ़ क्षेत्र में निवास नहीं करते हैं,बल्कि अन्य तहसीलों अथवा अन्य जिलों में रहते हैं। साथ ही जमाबंदी रिकॉर्ड में पते अपूर्ण अथवा अस्पष्ट होने के कारण पर्चा नोटिस वितरण में कठिनाइयां आ रही हैं।उन्होंने बताया कि जिन काश्तकारों अथवा खातेदारों को अब तक पर्चा नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है,वे दिनांक 18 दिसंबर,2025 तक तहसील कार्यालय हमीरगढ़ से स्वयं उपस्थित होकर पर्चा नोटिस प्राप्त कर सकते हैं तथा निर्धारित समयावधि में अपनी आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं।वर्तमान में मंगरोप,खैराबाद एवं औज्याड़ा ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर राजस्व टीम,भू-प्रबंध विभाग एवं संबंधित कंपनी के कार्मिकों द्वारा संयुक्त रूप से कैंप लगाकर पर्चा नोटिस वितरण का कार्य किया जा रहा है।तहसीलदार ने संबंधित काश्तकारों से अपील की है कि वे अपनी-अपनी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर कार्यरत टीम से संपर्क कर पर्चा नोटिस प्राप्त करें,ताकि भूमि रिकॉर्ड में किसी भी प्रकार की त्रुटि का समय रहते निराकरण किया जा सके और सर्वे-रिसर्वे प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सके।

उदयपुर में भावनाओं, सपनों और अंतरिक्ष की उड़ान

सरकारी स्कूल के बच्चों के अभिनय ने रचा इतिहास, गूगल कर ले रे...नाटक ने जीता दिल

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

झीलों की नगरी उदयपुर ने शनिवार शाम एक ऐसा क्षण सहेजा, जो लंबे समय तक स्मृतियों में जीवित रहेगा। विद्या भवन स्कूल के मुक्ताकाशी रंगमंच पर जब सरकारी स्कूल के बच्चों ने नाटक 'गूगल कर ले रे...' प्रस्तुत किया और हाल ही अंतरिक्ष से लौटे भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला स्वयं मंच पर उनके साथ खड़े दिखाई दिए, तो पूरा परिसर तालियों और भावनाओं से गूंज उठा। यह केवल एक नाट्य प्रस्तुति नहीं थी, बल्कि सपनों, आत्मविश्वास और संभावनाओं का उत्सव था।

'गुगल कर ले रे...' नाटक ने आज के डिजिटल युग में बिना तकनीक पर निर्भर हुए सोचने, पढ़ने और अनुभव से सीखने की महत्ता को रेखांकित किया। पहेलियों को सुलझाने की यह यात्रा पुस्तकालय, समाज और अंततः एक अंतरिक्ष यात्री तक पहुंचती है–और यही यात्रा बच्चों को यह विश्वास दिलाती है कि ज्ञान केवल स्क्रीन में नहीं, जीवन के अनुभवों में भी छिपा है। आरंभ में अतिथियों के यहां पहुंचने पर क्रिएटिव सर्किल के सुनील एस. लड्ढा, डॉ. कमलेश शर्मा, हेमंत जोशी आदि ने स्वागत किया। राष्ट्रगीत से आरंभ हुए कार्यक्रम का संचालन कहानी वाला रजत ने किया।

सरकारी स्कूल के बच्चों की दमदार प्रस्तुति :

संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केलरमानी की मौजूदगी में मंचित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वरड़ा के विद्यार्थियों ने जिस आत्मविश्वास, सहजता और संवेदनशीलता के साथ मंच संभाला, उसने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होती। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए इन बच्चों ने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को हंसाया, सोचने पर मजबूर किया और अंत में भावुक भी कर दिया। मंच पर उनकी आंखों में चमक और संवादों में सच्चाई साफ झलक रही थी, जिसे दर्शकों ने खुले दिल से सराहा।

शुभांशु की प्रस्तुति ने डाली जान :

इस नाटक की सबसे भावनात्मक और प्रेरक घड़ी तब आई, जब ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला नाटक के एक दृश्य में मंच पर आए। बच्चों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने अंतरिक्ष में बिताए पलों को सरल और आत्मीय भाषा में साझा किया। बच्चों की जिज्ञासाओं का जिस अपनत्व से उन्होंने उत्तर दिया, उसने पूरे माहौल को मानवीय संवेदना से भर दिया। यह दृश्य मानो यह संदेश दे रहा था कि बड़े सपने देखने की शुरुआत छोटे मंचों से ही होती है।

ब्रह्मांड से बड़ी सोच और जिज्ञासा :

कार्यक्रम के समापन पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मांड बड़ा है, लेकिन उससे भी बड़ी हमारी सोच और जिज्ञासा होनी चाहिए। अगर जिज्ञासा जीवित है, तो रास्ते अपने आप बनते जाते हैं।

इन कलाकारों ने संभाला मंच :

कहानीवाला रजत द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन टीम संस्था के सुनील टांक और सोनू परिहार (जयपुर) ने किया, जबकि सूत्रधार की भूमिका में जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. कमलेश शर्मा ने प्रस्तुति को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया। मंच पर बच्चों के साथ सुनील एस. लड्ढा, हेमंत जोशी, संदीप राठौड़, नीलोफर मुनीर और प्रियंका कोठारी जैसे कलाकारों की उपस्थिति ने बच्चों का मनोबल और भी बढ़ाया।

यह थी नाटक की विषयवस्तु :

गांव के एक सरकारी स्कूल के बच्चों को उनके शिक्षक द्वारा बिना गूगल की सहायता से तीन पहेलियों को हल करने का टास्क दिया जाता है और इसके लिए उन्हें दस हजार का पुरस्कार देने की बात भी कही जाती है। स्कूल के बच्चे गोपू, पुनम और टीकू इन पहेलियों का हल खोजने के लिए स्कूल लाइब्रेरी के बाद पत्रकार के पास जाते हैं परंतु उन्हें सफलता नहीं मिलती है। इसके बाद दो आर्किटेक्ट से दो पहेलियों का हल खोजने के बाद उन्हें तीसरी पहेली का जवाब मिलता है अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टेन शुभांशु शुक्ला के पास। शुक्ला बड़े प्यार से अंतरिक्ष में अपने अनुभवों को शेयर करने साथ–साथ उनकी पहेली का जवाब भी देते हैं। बगैर गूगल किए पहेलियों का जवाब ढूंढने की यह रोचक प्रक्रिया ही इस नाटक की विषयवस्तु है। इस प्रेरणादायी आयोजन को सफल बनाने में शहर की कला संस्था क्रिएटिव सर्किल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम को आरएसएमएम, वंडर सीमेंट, नींव, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर और विद्या भवन सोसायटी का सशक्त सहयोग मिला। इन संस्थाओं के सहयोग से सरकारी स्कूल के बच्चों को ऐसा मंच मिला, जहां वे बिना किसी भेदभाव के अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सके।

बच्चों ने पूछे कई सवाल :

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से संवाद के दौरान बच्चों ने बड़े उत्साह और जिज्ञासा के साथ अंतरिक्ष यात्रा से जुड़े कई सवाल पूछे। उन्होंने अंतरिक्ष में बिताए पलों, पृथ्वी को अंतरिक्ष से देखने के अनुभव और वहां के जीवन के बारे में रोचक एवं प्रेरक जानकारी साझा की। बच्चों ने यह भी जानना चाहा कि एक अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए किस तरह की पढ़ाई, कोचिंग और कठोर प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। शुभांशु शुक्ला ने सरल शब्दों में समझाते हुए बताया कि विज्ञान विषयों में मजबूत आधार, अनुशासन, निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास ही इस सपने को साकार करने की कुंजी हैं। उनका प्रेरणादायक संवाद बच्चों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने की नई ऊर्जा और सपने भी दे गया।

अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला बने प्रेरणा का केंद्र

चन्देरिया स्मेल्टर में श्रमिकों की विशाल आम सभा आयोजित हुई

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर मजदूर संघ एवं जिला मेटल माइंस मजदूर संघ की संयुक्त आम सभा प्लांट परिसर में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिला मेटल माइंस मजदूर संघ के अध्यक्ष रणजीत सिंह भाटी ने की सभा में अतिथि हिंदुस्तान जिंक वर्कर्स फेडरेशन के कोषाध्यक्ष मांगीलाल अहीर , सहायक महामंत्री प्रकाश श्रीमाल , सहायक महामंत्री महेंद्र कुमार सोनी एवं सहायक महामंत्री घनश्याम सिंह राणावत, सत्येंद्र कुमार मोड, महेंद्र सिंह भाटी, जी एन एस चौहान मंचासीन थे। आम सभा के प्रारंभ में प्रख्यात श्रमिक नेता श्री स्वर्गीय बी चौधरी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया तत्पश्चात राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम से सभा की शुरुआत की। कार्यकारिणी द्वारा अतिथियों का माल्यार्पण एवं पगड़ी पहना कर स्वागत किया गया। अध्यक्षीय भाषण में रणजीत सिंह भाटी ने कहा कि चंदेरिया का मजदूर संगठित और एक है तथा हिंदुस्तान जिंक वर्कर्स फेडरेशन में विश्वास रखता है इसका सभी उपस्थित श्रमिकों ने जोश खरोश के साथ अनुमोदन किया। साथ ही उन्होंने श्रमिकों की समस्याओं निराकरण एवं आगामी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। संगठन हमेशा श्रमिकों की समस्याओं के हल के लिए तत्पर है। मांगीलाल अहीर ने हिंदुस्तान जिंक वर्कर्स फेडरेशन के इतिहास के बारे में बताते हुए सभी श्रमिक साथियों को एकजुट रहने का आह्वान किया। संगठन के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में सावचेत किया और सावधान रहने का आवाहन किया। महेंद्र कुमार सोनी ने एलटीएस के ऊपर प्रकाश डाला और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी साथ ही कहा कि पूरे देश में हिंदुस्तान जिंक वर्कर्स फेडरेशन के प्रयासों से कंपनी के श्रमिकों को सर्वाधिक वेतन दिया जाता है और सामाजिक सुरक्षा के बारे में भी पूरा ध्यान रखा जाता है। प्रकाश श्रीमाल ने पूरे देश में श्रमिक यूनियन के वातावरण के बारे में बताया एवं सभी यूनिट की यूनियन के बारे में श्रमिकों को सलाह दी एकजुट रहने की एवं भ्रम फैलाने वालों से सावधान रहने की अपील की। साथ ही आगामी एलटीएस के बारे में उन्होंने कहा कि हम संगठित रहेंगे तो बेहतर समझौता कर सकेंगे सभा को महेंद्र सिंह भाटी प्रहलाद गवारिया शोभा लाल जाट पुष्पेंद्र सिंह ने संबोधित किया। सभा का संचालन जीएन एस चौहान ने किया और सभा में चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर मजदूर संघ की कार्यकारिणी एवं जिला मेटल माइंस के कार्यकारिणी सहित लगभग 3500 श्रमिकों ने भाग लिया एवं वक्ताओं के कहने पर हाथ खड़े कर संगठन एवं हिंदुस्तान जिंक वर्कर्स फेडरेशन में विश्वास व्यक्त किया। सभा के अंत में कार्यकारी अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार मोड ने धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि आप सभी ने शांतिपूर्वक धैर्य रखते हुए सभा को सफल बनाया इसके लिए आप सभी का बहुत-बहुत आभार भविष्य में भी आप इसी तरह संगठन के साथ खड़े रहेंगे। एवं सभा का समापन राष्ट्रगान के द्वारा किया गया।

निम्बाहेड़ा बाइपास पर 3 वाहन भिड़े, हादसे में दम्पत्ति सहित 3 की मौत

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

निंबाहेड़ा। कोतवाली थाना इलाके में शुक्रवार देर रात्रि को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसमें तीन वाहनों के आपस में टकराने से दम्पत्ति सहित तीन की मौत हो गई। वही एक अधेड़ घायल हो गया जिसका उपचार जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र में बाईपास स्थित वसुंधरा मल्टी के पास एक पिकअप चालक और उसका सहचालक वाहन का टायर बदल रहे थे इसी दौरान चित्तौड़गढ़ की ओर से आ रही एक ओमनी वैन अनियंत्रित होकर पिकअप से टकरा गई। इसी के साथ एक तेज रफ्तार थार कार भी वेन से

टकरा गई। हादसा इतना भयंकर था कि वेन के परखच्चे उड़ गए वही थार कार भी आगे से काफी हद तक क्षतिग्रस्त हो गई, इस दर्दनाक हादसे के होने के बाद हड़कंप मच गया और घायलों को चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां मारुति वैन में सवार दम्पत्ति लखन पुत्र सुरेश चंद्र मालू माहेश्वरी निवासी सरवानिया महाराज मध्यप्रदेश और उनकी पत्नी सविता उर्फ डोली मालू को जांच के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वही एक अन्य बसंतीलाल पुत्र भैरूलाल निवासी मंदसौर मध्य प्रदेश की भी दुर्घटना में मृत्यु हो गई।

जानकारी में सामने आया कि बसंतीलाल पिकअप वाहन का ड्राइवर था वही उसका सहचालक हस्तीमल पामेचा घायल हो गया, उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। पुलिस ने मृतक दम्पत्ति के शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सुपुर्द किये।

2 अर्थी एक साथ उठी, गमगीन हो गया माहौल

जावद क्षेत्र के सरवानिया महाराज में लखन ओर डोली के शव लेकर जब एम्बुलेंस घर पहुंची तो करीब 1 किलोमीटर तक पांव रखने तक कि जगह नही थी पूरे गांव में माहौल गमगीन हो गया था, जिसने भी सुना दौड़ पड़ा, डोली का पियर शंभूपुरा होने से यहाँ से भी बड़ी समाजजन ओर परिजन पहुंचे, जब दोनों अर्थियां एक साथ उठी तो हर किसी की आंखे नम थी, लखन ओर सविता उर्फ डोली दोनों एक निजी विद्यालय के संचालक थे, दम्पत्ति अपने पीछे एक पुत्र के साथ ही भरापूरा परिवार छोड़ गए।

जानलेवा हमले का पांच हजार का ईनामी आरोपी गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। जिले की मंगलवाड़ थाना पुलिस ने पिस्टल से फायर कर जानलेवा हमला करने के मामले में वांछित पांच हजार रुपये के ईनामी भूपेन्द्र सिंह उर्फ बैरू भुप्पी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि 06 दिसम्बर को राजू गाडरी पुत्र किशन गाडरी निवासी उदाखेड़ा थाना फतहनगर जिला उदयपुर अपने साथियों के साथ मंगलवाड़ थानांतर्गत किशोर जी का खेड़ा गांव में किसी की मृत्यु होने पर शोक व्यक्त करने गया था। जहां मारवाड़ के नरेश जाट व भूपेन्द्र भाटी उर्फ बेरू भुप्पी द्वारा पिस्टल से जान से मारने की नियत से उस फायर किये, जिससे उसे गोली लगी और वह घायल हो गया। इस पर मंगलवाड़ थाने पर जानलेवा हमले का प्रकरण दर्ज किया गया।

भजन लाल सरकार के दो वर्षों में हुए ऐतिहासिक विकास कार्य- विधायक आक्या

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

शंभूपुरा। राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा अपने दो वर्ष के सफलतम कार्यकाल के दौरान जनकल्याण के अनेक ऐतिहासिक विकास कार्य कराए गए है। आज सम्पूर्ण प्रदेश में खुशहाली का वातावरण है। भाजपा ने चुनाव से पूर्व जनता से जो वादे किए थे वे सभी वादे आज धरातल पर साकार रूप ले रहे है। पूर्व की कांग्रेस सरकार के दौरान समस्त प्रतियोगी परीक्षाओ के पेपर लीक होते थे तथा युवा हताश हो गया था। भजनलाल सरकार ने पेपर लीक पर प्रभावी रोक लगाते हुए रोजगार के अनेक अवसर सृजित किए। विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ के प्रत्येक ग्रामों में विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जा रहे है प्रगतिरत कार्यो को आगामी एक वर्ष में पूर्ण करा दिया जाएगा। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या शनिवार को राज्य सरकार के सफलतम दो वर्ष पूर्ण होने पर सुशासन पखवाडा के तहत विधानसभा चित्तौड़गढ़ की ग्राम पंचायत सुखवाड़ा, कन्नौज, नाहरगढ़, धीरजी का खेड़ा, भालुण्डी व भदेसर में विकास रथ के आगमन पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा पदाधिकारियो, कार्यकर्ताओ व ग्रामीणो को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पूर्व विधायक आक्या व भाजपा जिलाध्यक्ष गाडरी का प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय आगमन पर बड़ी तादाद में ग्रामीणो द्वारा जेसीबी के माध्यम से पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया तत्पश्चात ढोल नगाड़ो के साथ उन्हे समारोह स्थल तक लाया गया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रतनलाल गाडरी, भदेसर उपखण्ड अधिकारी रजनी मीणा, पुलिस उपाधीक्षक विनोद कुमार, विकास अधिकारी अभिषेक शर्मा, तहसीलदार शिव सिंह, वृत्ताधिकारी गेवर चंद, पूर्व भदेसर मण्डल अध्यक्ष पवन आचार्य, पूर्व उपप्रधान तेजपाल रेगर, पं.स. सदस्य प्रतिनिधि रतनलाल गाडरी, ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष गोटुलाल सुथार, पूर्व मंडल महामंत्री देवीलाल धाकड़, प्रकाश भट्ट, चतुर्भुज रेगर, शंकर मुंदड़ा, उमेश पालीवाल, मोहन धाकड़, रघुवीर सिंह, पुखराज सरूपरिया, पेंशनर समाज अध्यक्ष राम सिंह, राजेश जागेटिया, प्रकाश जाट, देवीलाल माली, सुखवाडा सरपंच शोभालाल धाकड़, नाहरगढ़ सरपंच सोसर बाई, भदेसर सरपंच रतन कुंवर, पूर्व सरपंच भोपाल सिंह, सुरेन्द्र सिंह शक्तावत, सुर्यपाल सिंह, किशन गाडरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जेएनवी विश्वविद्यालय के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी का आरोप

जोधपुर। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में बीएससी द्वितीय सेमेस्टर के हाल ही में जारी परिणामों में अनियमितता सामने आई है। छात्रों का आरोप है कि 12 दिसंबर को जारी किए गए परिणाम में फिजिक्स सब्जेक्ट में लगभग 95 प्रतिशत विद्यार्थियों को फेल घोषित कर दिया गया। वहीं अनेक ऐसे विद्यार्थियों को भी गैरहाजिर दिखा दिया गया जो परीक्षा में नियमित रूप से उपस्थत थे। इसको लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) जेएनवीयू इकाई ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए कार्यवाहक रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी ने ज्ञापन में मांग की है कि परिणाम की फिर से जांच कर बिना किसी भेदभाव के सही रिजल्ट शीघ्र जारी किया जाए, ताकि स्टूडेंट्स के भविष्य के साथ हो रहे अन्याय को रोका जा सके। संगठन ने विश्वविद्यालय प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही परिणाम में सुधार नहीं किया गया तो परिषद उग्र आंदोलन करेगी।

'बदलता राजस्थान, हमारा राजस्थान' अभियान के अंतर्गत रथ यात्रा निकाली

स्मार्ट हलचल| बनेड़ा

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'बदलता राजस्थान, हमारा राजस्थान' अभियान के अंतर्गत आयोजित रथ यात्रा कार्यक्रम का ग्राम पंचायत मुख्यालय चमनपुरा से रथ को हरी झंडी दिखाकर रवानगी की । शाहपुरा - बनेड़ा विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को रथ यात्रा ग्राम पंचायत मुख्यालय चमनपुरा (बनेड़ा) से महुआ खुर्द, खेड़लिया, बबराना होते हुए रात्रि विश्राम बनेडा में रहेगा। इस अवसर पर राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विधानसभा क्षेत्र शाहपुरा-बनेडा के विकास कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक पहुँचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में राजाधिराज श्री गोपाल चरण सिसोदिया, एसडीएम श्रीकांत व्यास, प्रधान प्रतिनिधि विजेंद्र सिंह, शिवांगी कानावत, राजेन्द्र बोहरा जिला मंत्री, बनेडा, रायला मंडल अध्यक्ष परमेश्वर पारीक, प्रद्युमन सिंह, शंकर लाल जाट डीआर, लक्ष्मी लाल सोनी, रथ यात्रा कार्यक्रम संयोजक कैलाश जी धाकड़, सहसंयोजक महावीर जी सैनी, राजमल माली, कैलाश माली, सरपंच प्रतिनिधि दामोदर गुर्जर, ईश्वर सिंह कानावत, सांवर सेन, प्रहलाद बैरवा आदि जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, कार्यकर्ता एवं देवतुल्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चंवलेश्वर पार्श्वनाथ देशनोदय दिगंबर जैन अतिशय तीर्थ मे भगवान श्री पार्श्वनाथ के जयकारों के साथ हुआ भव्य वार्षिक मेले का आयोजन

भीलवाड़ा जिले सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों से जैन समाज के लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया, जैन समाज के लोगों ने वार्षिक मेले में पुष्प वर्षा से स्वागत अभिनंदन किया

स्मार्ट हलचल| काछोला

क्षेत्र के लघु सम्मेद शिखर श्री चँवलेश्वर पार्श्वनाथ देशनोदय दिगम्बर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र पर बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग उमड़े। वहीं शनिवार सुबह से ही जैन समाज के लोगों ने नित्याभिषेक पूजन सहित पारस मंडल विधान सहित विभिन्न कार्यक्रम जयकारों के साथ शुरू हुआ।

तीर्थ कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कासलीवाल व कार्यालयध्यक्ष प्रवीण गोधा ने बताया कि हर वर्ष की भांति संतशिरोमणी आचार्यश्री विद्यासागर महाराज एवं मुनि पुंगव सुधासागर महाराज के आशीर्वाद से क्षेत्र के श्री चंवलेश्वर पार्श्वनाथ देशनोदय दिगंबर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र पर पौष नवमी के पावन अवसर पर शनिवार को 1008 भगवान श्री पार्श्वनाथ भगवान का जयकारों के साथ अभिषेक पूजन पार्श्वनाथ मंडल विधान किया गया तथा रविवार को मंदिर शिखर पर कालसभिषेक पूजन एवं ध्वजारोहण सहित विभिन्न कार्यक्रम भगवान के जयकारों के साथ किया जाएगा।

तीर्थ कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कासलीवाल व कार्यालयध्यक्ष प्रवीण गोधा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः नित्य नियम पूजा-अर्चना के उपरांत अभिषेक व शांतिधारा की गई। दोपहर में विधानाचार्य बाल ब्रह्मचारी विनोद भैया एवं पंडित विपिन जैन के निर्देशन में पार्श्वनाथ मंडल विधान का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर दिगंबर महिला महासमिति की संभागीय इकाई चंवलेश्वर पार्श्वनाथ दिगंबर देशनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि शांतादेवी जैन, तारिकादेवी जैन एवं शीलादेवी जैन का तिलक-माला व उपारणा शौल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात पुण्यार्जक मनोहरदेवी, विनोद, रेखादेवी, कमलेश, सोमेश एवं सुधादेवी ठग परिवार (महुआ) की ओर से वात्सल्य भोजन का आयोजन किया गया। सायंकाल भगवान की महाआरती संपन्न हुई।

शनिवार सायं तीर्थ क्षेत्र में मंगलाचरण एवं संगीतमय सांस्कृतिक कार्यक्रम वामादेवी महिला मंडल द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने रंगारंग नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में वामादेवी महिला मंडल व नवयुवक मंडल का विशेष योगदान रहा। महुआ, धामनिया, जसूसूजी का खेड़ा, पारोली, बांगूदार, कोठाज, रोपा, बिगोद एवं मांडलगढ़ सहित विभिन्न गांवों के कलाकारों ने सराहनीय प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में तीर्थ क्षेत्र कमेटी अध्यक्ष प्रकाश कासलीवाल, मंत्री कैलास सौगाणी, कोषाध्यक्ष भागचंद बंसल, कार्याध्यक्ष प्रवीण गोधा सहित महेन्द्र जैन, कैलास गोधा, रूपचंद गोधा, चन्द्रप्रकाश जैन, राजकुमार कासलीवाल, राजेन्द्र गोधा, सुरेश कासलीवाल, अमोलक गोधा, अनुराग जैन तथा महिला मंडल एवं नवयुवक मंडल के सदस्यों ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं का भव्य स्वागत किया।

कर्मचारियों का संघर्ष चेतना महा अधिवेशन आज

जयपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की ओर से कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी एवं उत्पीड़न के विरोध में रविवार को खंडेलवाल ऑडिटोरियम वैशाली नगर जयपुर में संघर्ष चेतना महा अधिवेशन का आयोजन किया जाएगा। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष महावीर शर्मा ने बताया कि चेतना महा अधिवेशन में प्रदेश के सभी 41 जिलों के प्रतिनिधि राजधानी में एकत्रित होकर कर्मचारियों की लंबित समस्याओं पर मंथन कर सरकार की लगातार अनदेखी एवं संवादहीनता पर बड़े राज्यव्यापी आंदोलन की रणनीति तैयार करेंगे। उन्होंने बताया कि इस से पूर्व महासंघ के पदाधिकारियों ने प्रदेश के सभी जिलों में संघर्ष चेतना यात्रा निकालकर सभी जिलों में पहुंचकर कर्मचारियों से संवाद कायम किया था। महासंघ के प्रदेश महामंत्री महावीर सिहाग ने बताया कि महासंघ की ओर से सभी विभागों के कार्मिकों को पदोन्नति के समान अवसर मिले इसके लिए पदोन्नति विसंगति दूर करने, पुरानी पेंशन से की जा रही छेड़छाड़ बंद करने, सभी विभागों में स्पष्ट एवं पारदर्शी स्थानांतरण नीति लागू करने, सभी संविदा कर्मियों को नियमित करने, आरजीएचएस योजना में की जा रही कटौतियां बंद करने, 9 अक्टूबर के एनपीएस पुनः लागू करने के आदेश को रद्द करने,तृतीय श्रेणी शिक्षकों के आठ सालों से बंद स्थानांतरण व लंबित डीपीसी करने, कुछ विभाग में ऑनलाइन उपस्थिति के नाम पर दी जारी प्रताड़ना को बंद करने सहित महासंघ के 11 सूत्रीय मांग पत्र पर कार्रवाई करने की सरकार से मांग की जा रही है ।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण : जिले में विकास रथों के जरिए उपलब्धियों का जन-जन तक संदेश

विकास की रफ्तार, जनविश्वास की मजबूती, ब्यावर से विकास रथ अभियान का शुभारंभ

दो वर्ष–उपलब्धियों की ठोस नींव : प्रेस ब्रीफिंग के साथ विकास रथों की रवानगी

स्मार्ट हलचल| ब्यावर

राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष में सरकारी योजनाओं, बजट घोषणाओं एवं उपलब्धियों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों–ब्यावर, मसूदा एवं जैतारण–के लिए विकास रथों को जिला प्रभारी मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने आज ब्यावर में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में शिरकत की तथा प्रेस ब्रीफिंग के माध्यम से सरकार की दो वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने कार्यकाल में किए गए वादों को धरातल पर उतारते हुए उन्हें साकार किया है। जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाकर आमजन को लाभान्वित किया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में राजस्थान विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ आमजन तक पहुंच रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम बीते दो वर्षों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले कई पेपर लीक प्रकरण सामने आए, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। सरकार की सख्त नीति एवं प्रभावी कार्यवाही के चलते कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है तथा अपराध दर में 19 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में और भी अनेक विकास कार्य किए जाएंगे, जिससे राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। इस अवसर पर उन्होंने ब्यावर से विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि ये विकास रथ गांव-गांव एवं ढाणी-ढाणी जाकर राज्य सरकार की दो वर्षों की उपलब्धियों की जानकारी देंगे। रथों में सुझाव पेटी भी रखी गई है, जिसमें आमजन अपने सुझाव दे सकेंगे। प्राप्त सुझावों को गंभीरता से लेकर आगामी बजट एवं योजनाओं में शामिल किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि विकास रथों के माध्यम से आमजन से सुझाव प्राप्त कर उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो कहा, वह करके दिखाया है। संकल्प पत्र में लिए गए 392 संकल्पों में से 274 संकल्प पूर्ण हो चुके हैं अथवा प्रगतिरत हैं तथा पांच वर्षों में किए जाने वाले लगभग 70 प्रतिशत कार्य मात्र दो वर्षों में ही पूरे कर लिए गए हैं।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, माननीय विधायक शंकर सिंह रावत एवं माननीय विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत ने कहा कि राजस्थान सरकार के दो वर्ष सुशासन, विकास एवं विश्वास के दो वर्ष रहे हैं। इन वर्षों में नीतिगत सुधारों के साथ-साथ धरातल पर दिखाई देने वाले कार्यों से यह संदेश गया है कि मजबूत इच्छाशक्ति के साथ राजस्थान को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित किया जा सकता है।

जिला कलेक्टर कमल राम मीना ने बताया कि विकास रथों का संचालन निर्धारित यात्रा रूट चार्ट के अनुसार जनभागीदारी के साथ किया जाएगा। रथों की सतत मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। सभी रथों की जियो-टैगिंग कर प्रतिदिन लोकेशन ट्रैकिंग की जाएगी, जिसकी मॉनिटरिंग राज्य स्तर पर भी की जाएगी। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में संचालित 15 दिवसीय विशेष अभियान के अंतर्गत विकास रथ संचालन भी शामिल है। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, जनप्रतिनिधिगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

साईबर फ्राड के प्रकरण मे 2000 रूपये का वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

विराटनगर(जयपुर)। पुलिस थाना मालाखेडा क्षेत्र में सुधीर चौधरी पुलिस अधीक्षक जिला अलवर ने जानकारी दी है क्या वांछित अपराधियों की धरपकड हेतु चाहिए जा रहे अभियान के तहत दिंनाक को डॉ प्रियंका अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अलवर के निर्देशन मे शिवानी सहायक पुलिस अधीक्षक आईएएस वृत्ताधिकारी वृत्त ग्रामीण अलवर के सुपरविजन मे आज हरदयाल सिंह यादव थाना अधिकारी पुलिस की टीम के द्वारा साईबर फ्रॉड के प्रकरण मे पर 2000 रूपये का वांछित आरोपी गिरफ्तार कर साइबर फ्रॉड मे प्रयुक्त 01 एन्डांण्ड मोबाईल,01 बैंक पासबुक व 01 चैकबुक बराबद किये गये है।

गिरफ्तार आरोपी..

राहुल मीणा पुत्र बन्नाराम जाति मीना उम्र 26 साल निवासी निठारी थाना मालाखेडा जिला अलवर। पुलिस टीम में थाना अधिकारी हरदयाल सिंह यादव, रिंकूराम कानि0..(विशेष भूमिका) राजेश कानि0..व पुलिस टीम मालाखेडा।

नव उत्थान नई पहचान बढ़ता राजस्थान हमारा राजस्थान के तहत रंगोली बनाकर दिया स्वच्छता का संदेश

स्मार्ट हलचल| नाथद्वारा

वर्तमान सरकार के 2 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयुक्त सौरभ कुमार जिंदल के मार्गदर्शन अनुसार नगर पालिका नाथद्वारा सहयोगी संस्था सृजन सेवा संस्था द्वारा स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय श्री नरेंद्र पाल सिंह चौधरी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय नाथद्वारा राज. द्वारा नव उत्थान नई पहचान बढ़ता राजस्थान हमारा राजस्थान पर आधारित रंगोली आधारित रंगोली त्रिनेत्र सर्कल पर बनाई जिसमें राजस्थान की परंपराओं को जैसे घूमर नृत्य करती महिलाओं,हरा भरा राजस्थान, सौर ऊर्जा, स्वच्छ व सुंदर राजस्थान स्वच्छता,

आदि को दर्शाया गया है इस दौरान सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई, नगर पालिका से संकल्प सिंघल सहायक अभियंता,देश राज मीणा, पंखीराम, विष्णु नागर,उत्कर्ष पालीवाल, श्रीमती भुनेश्वरी पुरोहित, स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय श्री नरेंद्र पाल सिंह चौधरी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय से श्रीमती शकुंतला कुंवर उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ, स्टेडियम विकास के लिए 20 लाख की घोषणा

स्मार्ट हलचल

नारायणपुर। कस्बे के जोधपुरा खेल स्टेडियम में शनिवार को तीन दिवसीय सांसद खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह एवं बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत ने ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सांसद राव राजेंद्र सिंह और विधायक देवीसिंह शेखावत ने खिलाड़ी एवं उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए खेल स्टेडियम के विकास कार्यों के लिए 10-10 लाख रुपये देने की घोषणा की। पीटीआई सुमेर सिंह मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव में कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में 20 टीम तथा महिला वर्ग में 10 टीम भाग ले रही हैं। वहीं वॉलीबॉल में पुरुष वर्ग की 7 और महिला वर्ग की 2 टीमों ने पंजीकरण कराया है। एथलेटिक्स के तहत 100 मीटर एवं 200 मीटर दौड़ में पुरुष वर्ग से 970 तथा महिला वर्ग से 828 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। उद्घाटन मैच कबड्डी का खेला गया, जो महात्मा गांधी नारायणपुर एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर की टीमों के बीच हुआ। रोमांचक मुकाबले में राउमावि नारायणपुर की टीम विजयी रही। कार्यक्रम के दौरान बालिका खिलाड़ी ने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना से प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलाई। इस मौके पर एसडीएम दिनेश शर्मा, तहसीलदार अनिल कुमार, सीबीईओ राजकुमार यादव, मंडल अध्यक्ष संदीप सैनी, पूर्व उपसरपंच भवानी शंकर सैनी, अजबपुरा सरपंच प्रियंका नरूका, श्याम सिंह तंवर, ठेकेदार महेन्द्र भादू, सुल्तान राम सैनी, नगेन्द्र चैनपुरिया, मनोहर लाल नायक, पप्पी चौधरी, मोतीलाल जांगिड़, वैद्य भवानीशंकर शर्मा, जलेसिंह मीणा, शशिकांत बोहरा, सत्येंद्र शर्मा, सुरेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

'वोट चोर गद्दी छोड़ो' महा रैली के लिए जैतारण से दिल्ली रवाना

स्मार्ट हलचल| ब्यावर

जिला कांग्रेस कमेटी ब्यावर के अध्यक्ष किशोर चौधरी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आमजन का विशाल जत्था आज जैतारण से दिल्ली के लिए रवाना हुआ। यह जत्था देशव्यापी 'वोट चोर गद्दी छोड़ो' महा रैली में भाग लेकर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की आवाज बुलंद करेगा।

इस अवसर पर किशोर चौधरी ने कहा कि वर्तमान हालात में जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस सड़क से संसद तक संघर्ष कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनमत की अनदेखी कर सत्ता पर काबिज़ ताकतें लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही हैं, जिसके विरोध में यह महा रैली ऐतिहासिक साबित होगी।

रवानगी से पूर्व जैतारण में आयोजित संक्षिप्त सभा में कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की भागीदारी ने रैली को ऐतिहासिक स्वरूप दिया। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और झंडे लेकर नारेबाजी की और दिल्ली कूच किया। कांग्रेस नेताओं ने विश्वास जताया कि यह महा रैली देश की राजनीति में जनआवाज़ को नई मजबूती देगी और लोकतंत्र की रक्षा का संदेश पूरे देश में जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा जन-जागृति रथों को दिखाई हरी झण्डी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर के जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पर आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान के राज्य स्तरीय समारोह में शिरकत की। उन्होंने इस दौरान सड़क सुरक्षा अभियान से संबंधित पोस्टर का विमोचन किया तथा उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वाले नागरिकों को सम्मानित किया। शर्मा ने इन जीवन रक्षकों का हौसला बढ़ाते हुए उनके नेक कार्य की सराहना की। सम्मानित होने वालों में संदीप गुप्ता, नितेश यादव, सुनील सिरवी, संजय कुमार एवं सुरता देवी शामिल रहे।

शर्मा ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जन-जागृति रथों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने पांच सौ ऑटोरिक्शा को भी फ्लैग ऑफ किया। ये सभी वाहन विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आमजन को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करेंगे। शर्मा ने इस अवसर पर दिव्यांगजनों को हेलमेट वितरण किया तथा व्यावसायिक वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा का संदेश देने वाले गुब्बारे हवा में छोड़कर आमजन को जागरूक किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, सांसद मंजू शर्मा, विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी, बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राएं एवं आमजन उपस्थित रहे।

167 ग्राम एमडी व 79 हजार की नकदी के साथ एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

प्रतापगढ़। जिले की सुहागपुरा थाना पुलिस ने ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत मोटर साइकिल सवार युवक के कब्जे से 167 ग्राम एमडी और 79 हजार की नकदी जब्त कर उसे एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया, पुलिस कार्यवाही के दौरान एक युवक फरार होने में सफल रहा।

जानकारी के अनुसार सुहागपुरा थानाधिकारी मनीष वैष्णव द्वारा जाप्ते के साथ नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर आए दो युवकों को रोकने का प्रयास किया, जिसमें से एक युवक को पकड़ लिया गया और दूसरा युवक मौके पर एक थैली फेंककर फरार होने में सफल रहा। पूछताछ करने पर पकड़े गए युवक ने अपना नाम रामलाल (21) पिता धीरजमल मीणा निवासी खोरा, थाना अरनोद जिला प्रतापगढ़ होना बताया किया। जिसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 167.02 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) मिली, जिसे मोटरसाइकिल सहित जब्त कर उस एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया। उसके द्वारा मौके पर फेंकी गई थैली से 79 हजार रुपये मिले। जिन्हे भी प्रकरण में जब्त किया गया।

जल जीवन मिशन के संविदा कर्मचारियों को 14 माह से वेतन नहीं

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। जल जीवन मिशन के तहत सावर क्षेत्र में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को पिछले 14 माह से वेतन नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कुशायता, गोरधा, पिपलाज, सदारा, कालेडा कंवरजी, आलोली सहित कई ग्राम पंचायतों में कार्यरत जलदाय विभाग के संविदा कर्मचारियों का भुगतान अक्टूबर 2024 से लंबित है।

कर्मचारियों ने बताया कि वे नियमित रूप से गांवों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था बनाए रखने का कार्य कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वेतन का भुगतान नहीं हो पाया है। वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों के परिवारों के सामने दैनिक खर्चों को पूरा करना कठिन हो गया है।

इस संबंध में संविदा कर्मचारियों द्वारा केकड़ी के अतिरिक्त जिला कलेक्टर चंद्रशेखर भंडारी को दो बार ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। राजस्थान संयुक्त कर्मचारी एवं मजदूर महासंघ अजमेर के संभाग अध्यक्ष सीताराम वैष्णव ने बताया कि विभागीय दिशानिर्देशों में स्पष्टता नहीं होने के कारण केकड़ी क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में कार्यरत कर्मचारियों का वेतन भुगतान अटका हुआ है। उन्होंने कहा कि इस विषय में सरकार को अवगत कराया जाएगा।

महासंघ ने शीघ्र वेतन भुगतान नहीं होने की स्थिति में आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

इन पंचायतों में कार्यरत कर्मियों का वेतन बकाया है– कुशायता से हंसराज, पिपलाज से मुकेश, गोरधा से रामनिवास, आलोली से नाथूराम कुमावत, सदारा से किशनलाल गुर्जर, कणोज से पप्पूलाल, देवलिया खुर्द से लाडा देवी, काचरिया से जाकिर हुसैन तथा कालेडा कंवरजी से मिठूलाल बैरवा। वहीं कादेडा पंचायत के मनराज कीर को लंबे समय से वेतन नहीं मिला है।

सांसद खेल महोत्सव का समापन

बेगूं। क्षेत्र के माधोपुर आईटीआई कॉलेज में आयोजित सांसद खेल महोत्सव का समापन शनिवार को चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी एवं क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर सुरेश धाकड़ द्वारा किया गया। समापन समारोह के दौरान सांसद सीपी जोशी ने माधोपुर में बन रहे खेल स्टेडियम के लिए एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी अंकित सामरिया, तहसीलदार गोपाल जीनगर, जिला महामंत्री कैलाश मंत्री, पंचायत समिति उप प्रधान गोदू लाल गुर्जर, पंचायत समिति सदस्य शंभू लाल धाकड़, नगर मंडल अध्यक्ष विदुषी जयदीप बिल्लू, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पूजा सोनी, पूर्व प्रधान अंजू गुर्जर, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष निर्मलाभुक्कल, कमांड मंडल अध्यक्ष राकेश पितलिया आदि मौजूद रहे।

दादीधाम में पौषबड़ा महोत्सव एवं मंगलपाठ कल

स्मार्ट हलचल| ब्यावर

अजमेर रोड स्थित श्रीमंदिर दादीधाम में कल रविवार को पौषबड़ा महोत्सव एवं झुंझनुवाली दादीजी का संगीतमय धूमधाम से आयोजित किया जायेगा। दादी परिवार न्यास के महामंत्री केदार गर्ग ने बताया कि पौषबड़ा महोत्सव एवं दादी मंगलपाठ के अवसर पर सम्पूर्ण मन्दिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया जायेगा। दोपहर 2 बजे से झुंझनु वाली दादीजी का संगीतमय मंगलपाठ गोपालप्रसाद,तरुणकुमार गुप्ता के सौजन्य से आयोजित किया जायेगा, पाठ की प्रस्तुत्ति मंगलपाठ वाचक गोपाला ग्रुप के सतीश सिकरवार द्वारा दी जायेगी। पाठ के दौरान दादी का नयनाभिराम श्रृंगार एवं उत्सव आयोजित किये जायेंगे।

गजेंद्र सिंह राजपुरोहित बने ब्राह्मण परिषद के प्रदेश सचिव

स्मार्ट हलचल

जयपुर/बहरोड़। अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद (रजि) के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष सुनील दत्त शर्मा ने राष्ट्रीय सचिव भगवान सिंह राजपुरोहित की अनुशंसा पर जोधपुर निवासी गजेंद्र सिंह राजपुरोहित को प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। गजेंद्र राजपुरोहित वर्तमान में परिषद के जोधपुर जिला प्रभारी का कार्यभार देख रहे थे। राजपुरोहित की नियुक्ति पर ब्राह्मण समाज में खुशी की लहर हैं और प्रदेश सचिव को सभी ने मिठाईयां खिलाकर शुभकामनाये दी।

152 विद्यार्थियों ने दी नवोदय प्रवेश परीक्षा, सावर केंद्र पर 88.88 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा सत्र 2026-27 के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु आयोजित परीक्षा शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सावर में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हुई। परीक्षा केंद्र पर अनुशासन, पारदर्शिता एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले।

परीक्षा प्रभारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार केंद्र पर कुल 171 विद्यार्थियों का पंजीकरण था, जिनमें से 152 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 19 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार सावर केंद्र पर कुल 88.88 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। परीक्षा के दौरान सुबह से ही केंद्र के बाहर परीक्षार्थियों के साथ उनके अभिभावकों की भीड़ देखी गई। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से निपटने के लिए सावर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। परीक्षा का आयोजन प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक किया गया, जिसमें दो घंटे की अवधि का प्रश्नपत्र निर्धारित था।

परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर नवोदय विद्यालय के सीएलओ परमानंद गुर्जर, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी निरंजन शर्मा सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं सीबीईओ डॉ. मधु गुप्ता एवं एसीबीईओ नेमीचंद सामरिया ने भी केंद्र का अवलोकन कर व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार झांकल ने परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग देने वाले शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकगण, कार्मिकों एवं पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

चाकसू के उपजिला अस्पताल में मेगा केंप का आयोजन किया गया

0-18 वर्ष तक के 257 बच्चों उपचार

स्मार्ट हलचल

चाकसू। चाकसू स्थानीय उपजिला अस्पताल में 0 से 18 वर्ष के बच्चो के उपचार के लिये मेगा केम्प का आयोजन किया गया जिसमे 257 बच्चो का ईलाज किया गया। यंहा बता दे कि यह बच्चे आरबीएसके टीमों द्वारा स्क्रीनिंग कर के चिन्हित किये गये थे यह टीमें प्रतिदिन स्कूल, आगनबाड़ी केंद्रों जाकर बच्चो जी स्क्रीनिंग कर के बीमारी से चिन्हित बच्चों की उच्च संस्थान पर रेफर करती है। केम्प में हार्ट, कान, पेट सहित विभिन्न बीमारी के स्पेशल विशेषज्ञों की सेवाये दी गई। कैम्प का उद्घाट्न खण्ड मुख्य चिकित्सा डॉ. श्याम सुन्दर दापमा व प्रमुख चिकत्सा अधिकारी उपजिला अस्पताल चाकसू डॉ ऋतुराज मीणा द्वारा किया गया। वही स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों पर चिकिस्को की 2 टीम द्वारा विभिन्न बीमारी से पीड़ित बच्चों का चयन करने में डॉ. शंकर लाल, डॉरेखा शर्मा, डॉ रविंद्र नारौलिया, डॉ संजय मीना डॉ अखिलेश विजय, डॉ सरिता महरिया, डॉ मनोज की विशेष भूमिका रही।

ऊर्जा राज्यमंत्री ने झंडी दिखाकर 'विकास रथों' को किया रवाना

जन-जन तक पहुंचेंगी राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं, विकास रथ बताएँगे राज्य सरकार की दो साल की उपलब्धियां

स्मार्ट हलचल| बूंदी

राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और विगत दो वर्षों में आमजन को राहत देने के लिए किए गए कार्यों की जानकारी अब सीधे जनता तक पहुंचेगी। शनिवार को ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने विकास रथों को झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर ऊर्जा राज्यमंत्री नागर ने कहा कि विकास रथों के माध्यम से राज्य सरकार की हर योजना का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि विकास रथों के माध्यम से आमजन को राहत देने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

नागर ने कहा कि राज्य सरकार की नीयत और नीति, दोनों से जनता सीधे तौर पर वाकिफ होगी। विगत दो वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में जो बड़ी उपलब्धियां अर्जित की हैं, वे इन रथों के जरिए हर गांव और हर ढाणी तक पहुंचाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि विकास रथ जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों की सभी पंचायतों में पहुचेंगे और रथों में लगी एलईडी स्क्रीन और प्रचार सामग्री के माध्यम से आमजन को राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करेंगे। रथ में एक सुझाव पेटिका भी रखी गई हैं, जिसमें आमजन अपने सुझाव और फीडबैक साझा कर सकेंगे।

इस अवसर पर नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, जिला कलक्टर अक्षय गोदारा, जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा, केशवरायपाटन की पूर्व विधायक चन्द्रकांता मेघवाल, पूर्व जिला प्रमुख राकेश बोयत, पूर्व नगर परिषद सभापति महावीर मोदी, अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

कोटा में हाउसिंग सोसायटी के खातों से एक करोड़ रुपये से अधिक के गबन का मामला, एफआईआर दर्ज

स्मार्ट हलचल| कोटा

बोरखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित महालक्ष्मीपुरम वेलफेयर सोसायटी में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का मामला सामने आया है। सोसायटी के महालक्ष्मीपुरम निवासियों द्वारा दी गई लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने करीब एक करोड़ रुपये से अधिक के गबन के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत में बताया गया कि महालक्ष्मीपुरम वेलफेयर सोसायटी एक पंजीकृत संस्था है, जिसकी पंजीयन संख्या 61/कोटा/2013-14 है। सोसायटी के निवासियों द्वारा जमा की गई एफडीआर की राशि से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, मायादेश शाखा में वर्ष 2016 में 50 लाख रुपये की एफडी कराई गई थी, जिसका एफडी नंबर 303533 तथा खाता संख्या 3246969632 है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सोसायटी के नाम पर 20 मई 2025 को ओवरड्राफ्ट सुविधा ली गई, जिसका खाता नंबर 5803679130 है। इस खाते से बड़ी राशि अन्य बैंकों में स्थानांतरित की गई। इसके अतिरिक्त, सोसायटी का एक अन्य खाता बैंक ऑफ इंडिया में भी संचालित है, जहां से भी भारी रकम के गबन की बात सामने आई है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, दोनों बैंकों से कुल मिलाकर लगभग एक करोड़ रुपये का गबन किया गया है।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि सोसायटी के खातों से किसी भी प्रकार का लेन-देन अध्यक्ष हिमांशु अरोड़ा, उपाध्यक्ष नरेश मोर्च, सचिव रेणु तोमर तथा कोषाध्यक्ष यशपाल शर्मा के हस्ताक्षरों के बाद ही संभव है। ऐसे में इन पदाधिकारियों की भूमिका को संदिग्ध बताया गया है।

मामले को गंभीर मानते हुए बोरखेड़ा थाना पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 310(4), 318/41 एवं 01(2) के तहत प्रकरण संख्या 396/2025 दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और बैंक खातों के लेन-देन की गहनता से पड़ताल की जाएगी।

सोसायटी के निवासियों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जेपीएल– 3: क्रिकेट का आगाज, पहले दिन हुए चार रोमांचक मुकाबले

स्मार्ट हलचल| कोटा

जैक प्रीमियर लीग (जेपीएल-3) –जेसीआई एलुमनी क्लब जॉन 05 में रोमांचक मुकाबलों के साथ टूर्नामेंट अपने निर्णायक चरण में पहुँच गया है।

शनिवार को खेले गए सुपर-4 चरण के मुकाबलों में जैक और मोशन की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मैच जीत लिए। इन जीतों के साथ सुपर-4 चरण में मोशन, जैक, कोटा क्लब और भामाशाह ब्लास्टर्स ने जगह बनाकर खिताब की दावेदारी मजबूत कर ली है।

अध्यक्ष पीयूष खण्डेवाल ने बताया कि सुपर-4 के पहले मुकाबले में जैक ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए भामाशाह ब्लास्टर्स को पराजित किया। वहीं दूसरे मुकाबले में मोशन की टीम ने कोटा क्लब को शिकस्त देकर अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई।रविवार को सुपर-4 के शेष मुकाबले कल खेले जाएंगे, जिनमें भामाशाह ब्लास्टर्स बनाम कोटा क्लब तथा जैक बनाम मोशन के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबले देखने को मिलेंगे।

ऊर्जा राज्यमंत्री ने किया जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा जन जागरूकता अभियान का शुभारम्भ

'नो हेलमेट-नो एंट्री' पोस्टर का किया विमोचन

स्मार्ट हलचल| बूंदी

ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं बूंदी जिला प्रभारी मंत्री श्री हीरालाल नागर ने शनिवार को सर्किट हाउस में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा जन जागरूकता अभियान का आगाज किया। उन्होंने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान राज्यमंत्री ने 'नो हेलमेट-नो एंट्री' एवं 'नो सीट बेल्ट-नो एंट्री' पोस्टर का विमोचन किया और मौके पर हेलमेट भी वितरित किए।

कार्यक्रम में ऊर्जा राज्यमंत्री ने आमजन को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना रहित राष्ट्र निर्माण के लिए यातायात नियमों का पालन बेहद जरूरी है। इसके बाद शहर के मुख्य मार्गों से एक वाहन रैली निकाली गई, जिसमें परिवहन और पुलिस विभाग के कार्मिक शामिल हुए।

कार्यक्रम में जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने आमजन से अपील की कि सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद के लिए आगे आएं। सरकार की 'राहवीर योजना' का लाभ उठाएं, जिसमें मददगार को पुरस्कृत किया जाता है। जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने कहा कि लोग चालान कार्यवाही से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करें।

इस दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता मुकेश गुप्ता ने बताया कि अभियान के दौरान जिले की सड़कों पर चिह्नित 'ब्लैक स्पॉट' (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) को दुरुस्त किया जाएगा।

कार्यक्रम में नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, केशवरायपाटन की पूर्व विधायक चन्द्रकांता मेघवाल, पूर्व जिला प्रमुख राकेश बोयत, पूर्व नगर परिषद सभापति महावीर मोदी, अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा, कार्यवाहक डीटीओ धर्मपाल गुर्जर, परिवहन निरीक्षक हंसराज मीणा और ट्रैफिक इंचार्ज बहादुर सिंह गौड़ सहित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य मौजूद रहें।

अवैध गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| लाखेरी

उपखंड क्षेत्र के देईखेड़ा थाना पुलिस ने एक जने को अवेध गांजा का परिवहन करते हुए नाकाबंदी के दौरान गिरफ्तार कर 777 ग्राम गांजा जब्त किया। देईखेड़ा पुलिस थाने के नवनियुक्त थानाधिकारी धारा सिंह ने बताया की शुक्रवार देर शाम को मेगा हाइवे पर नाकाबंदी के दौरान एक युवक को रोका वह हड़बड़ा कर भागने की कोशिश करने लगा जिस पर उसको पकड़ कर चेक किया तो उसके पास बेग में गांजा बरामद हुआ। इस देईखेड़ा निवासी युवक परमानंद मीणा 39 वर्ष पिता अमर लाल मीणा गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से गांजा जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। थानाधिकारी मीणा ने बताया कि मामले की जांच उच्चाधिकारियों के निर्देश पर गेण्डोली थानाधिकारी को सोपी गई है, क्षेत्र में सघन अभियान चला कर नशे के कारोबारीयो पर कार्यवाही की जाएगी।

पूर्व में आ चुका है पुलिस की गिरफ्त में आरोपी परमानंद मीणा पूर्व में देईखेड़ा पुलिस द्वारा अवैध गांजा रखने व बेचने के जुर्म में गिरफ्तार हो चुका है।

टेल तक नहीं पहुंचा नहरी पानी, किसान परेशान

स्मार्ट हलचल| लाखेरी

उपखंड क्षेत्र में चम्बल की नहरों के टेल क्षेत्र में नहरी पानी नही पहुचने से किसान परेशान है। क्षेत्र की के पाटन ब्रांच के लबान, गुहाटा, बगली, बहड़ावली, ख़ाकटा, माखीदा, पापड़ी, जाडला, बड़ाखेड़ा, एवं कापरेन ब्रांच के रामगंज, डपटा, देईखेड़ा, प्रतापगढ़, छप्पनपुरा आदि गांवों में नहर का पानी नही पहुंच पाया है। लबान के किसान महेश मीणा, राजेन्द्र मीणा, रामवतार मीणा, डडवाडा के अखिलेश मीणा, मुकेश मीणा, ओम जुंड वाल ने बताया कि गेंहू की फसल एक महीने से ऊपर दिन की हो चुकी है उसको सिचाई के लिये पानी की आवश्यकता है, और नहरों से पानी गायब है। लबान सरपंच बुद्धि प्रकाश मीणा, खरायता सरपंच बद्री लाल मीणा ने बताया कि टेल क्षेत्र में नहरी पानी के अभाव में रीति पड़ी है और किसानों को नहरी पानी का इंतजार है। सरसो व मेथी की फसल तो सूखने के कगार पर है। किसानों ने प्रशासन से टेल क्षेत्र में जल्द नहरी पानी पहुचाने की मांग की है।

ज्ञापन प्रदर्शन से भी नही चेता विभाग

गौरतलब है कि टेल क्षेत्र में नहरी पानी की मांग को लेकर किसान पूर्व में लाखेरी उपखण्ड अधिकारी व देईखेड़ा थानाधिकारी को सम्भागीय आयुक्त के नाम ज्ञापन सोप कर देईखेड़ा बस स्टैंड पर प्रदर्शन कर चुके है परन्तु विभाग फिर भी नही चेता ओर टेल नहरी पानी के अभाव में रीति पड़ी है और किसान परेशान है।

शहर के एंट्री पॉइंट्स की स्वच्छता के लिए भी केडीए सक्रिय

स्मार्ट हलचल| कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा शहर के प्रमुख प्रवेश मार्गों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से माननीय लोकसभा अध्यक्ष के निर्देशानुसार विशेष सफाई अभियान संचालित किया जा रहा है । इस अभियान के अंतर्गत सचिव मुकेश चौधरी एवं निदेशक (अभियांत्रिकी) रविंद्र माथुर के नेतृत्व में बूंदी रोड स्थित त्रिकुटा चौराहे से आगे तक व्यापक सफाई कार्य कराया गया। अभियान के दौरान डिवाइडर पर लगे अवैध बोर्ड हटाए गए। जेसीबी मशीन की सहायता से अनावश्यक झाड़ियों की कटाई की गई, वहीं श्रमिकों द्वारा झाड़ियों को हटाने एवं कचरा एकत्रित करने का कार्य किया गया। एकत्रित कचरे को ट्रैक्टर के माध्यम से निर्धारित कचरा संग्रहण स्थल तक भिजवाया गया। कोटा विकास प्राधिकरण द्वारा शहर की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के अभियान निरंतर जारी रखे जाएंगे।

बानसूर और नारायणपुर में सांसद खेल महोत्सव 2025 का शुभारंभ, खिलाड़ियों में दिखा उत्साह

स्मार्ट हलचल| बानसूर

विधानसभा क्षेत्र के बानसूर व नारायणपुर उपखंड में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह और बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत ने संयुक्त रूप से किया। आयोजन स्थल पर आसपास के क्षेत्रों से आई विभिन्न खेल टीमों की मौजूदगी रही, जिससे माहौल खेल भावना और उत्साह से भर गया। इस अवसर पर विधायक देवीसिंह शेखावत ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि खेलों का महत्व हमारे प्राचीन ग्रंथों और वेदों में भी वर्णित है, जो यह दर्शाता है कि भारतीय संस्कृति में शारीरिक और मानसिक विकास को सदैव प्राथमिकता दी गई है। शेखावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'फिट इंडिया' पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस अभियान ने युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और अपनी खेल प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया है।विधायक ने कहा कि जिस प्रकार हमारे सैनिक सीमाओं पर देश की रक्षा करते हुए राष्ट्र का नाम रोशन करते हैं, उसी प्रकार खिलाड़ी देश-विदेश में तिरंगा फहराकर भारत की पहचान को मजबूत करते हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों को करियर के रूप में अपनाने और अनुशासन, मेहनत व समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है, ताकि वे आगे चलकर राज्य और देश का प्रतिनिधित्व कर सकें। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को नशे और नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रखकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाते हैं। इस दौरान सांसद और विधायक ने बानसूर सांसद कोष से 15 लाख ओर विधायक कोष से 10 लाख रूपये ओर नारायणपुर में सांसद और विधायक कोष से 10- 10 लाख रूपये खेल स्टेडियम के लिए देने की घोषणा की गई। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत की गई। खिलाड़ियों और स्थानीय लोगों में आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजकों ने सफल आयोजन के लिए सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार जताया।

जिला स्तरीय निपुण रेंजर प्रशिक्षण शिविर को लेकर कार्यशाला आयोजित

स्मार्ट हलचल

भरतपुर। श्री हरिदत्त डिग्री कॉलेज टेक्नोलॉजी पार्क, सेवर,भरतपुर में राजनस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित होने वाले जिला स्तरीय निपुण रेंजर प्रशिक्षण शिविर को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर

कार्यशाला में सहायक स्टेट कमिश्नर राजस्थान डॉ.आलोक शर्मा ने स्काउट एवं गाइड आंदोलन के उद्वेश्य, नियमों एवं सामाजिक उपयोगता के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि स्काउट-गाइड युवाओं में अनुशासन, सेवा भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास करता है।

इस अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त, भरतपुर मंडल गिर्राज गर्ग भी उपस्थित रहे। उन्होंने स्काउट-गाइड की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संगठन विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।कार्यक्रम में डॉ. रमेश कुमार गर्ग, सहायक लीडर ट्रेनर, झालावाड़ ने छात्र-छात्राओं को स्काउट एवं गाइड गतिविधियों से अवगत कराते हुए प्रशिक्षण शिविर के महत्व को समझाया। वहीं ट्रेनर काउंसलर भरतपुर विनोद अवस्थी ने प्रशिक्षण से संबंधित व्यावहारिक जानकारी साझा की। कार्यशाला में प्राचार्या डॉ. संजू शर्मा, डॉ.नीलम सिंह, डॉ. नीता माथुर, डॉ. राजकमल दिवाकर, मीरा शर्मा, अशोक सर, राममोहन सर एवं महेन्द्र सर की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी वक्ताओं ने आगामी निपुण रेंजर प्रशिक्षण शिविर को सफल बनाने हेतु सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यशाला के अंत में छात्र-छात्राओं में स्काउट-गाइड के प्रति उत्साह एवं जागरुकता देखने को मिली तथा उन्होंने शिविर में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

दबंगईयों ने भरे बाजार से युवक का अपहरण कर की मारपीट

स्मार्ट हलचल| बानसूर

कस्बें के हरसौरा रोड़ पर दुकान से सामान खरीद रहें एक युवक के अपहरण और मारपीट का मामला सामने आया है। कल्याणपुरा निवासी ग्रीस योगी ने बताया कि 8 दिसंबर की शाम 4:46 बजे वह अपने चाचा के साथ हरसौरा रोड़ पर एक होटल के सामने सामान खरीद रहा था। इसी दौरान एक काली स्कॉर्पियो और बुलेट बाइक पर सवार होकर आए छह युवकों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद बातचीत के बहाने उसे स्कॉर्पियो गाड़ी में डालकर अपने साथ ले गए।आरोपी उसे स्कॉर्पियो में डालकर चतरपुरा के पास एक स्विमिंग पूल पर ले गए। वहां उसे मुर्गा बनाकर जमकर पीटा गया और इसका वीडियो भी बनाया गया। इस दौरान आरोपियों ने उसे धमकी दी कि यदि उसने किसी को बताया तो उसे गोली मार देंगे। मारपीट के बाद आरोपी उसे स्कॉर्पियो में डालकर बानसूर वापस लाए और नारायणपुर रोड पर छोड़कर फरार हो गए। पीड़ित डर के मारे भिवाड़ी चला गया। बाद में परिजनों के बुलाने पर घर आकर उसने पूरी घटना बताई। पीड़ित ने शिवम, संदीप, पुष्पेंद्र, नीरज, रिंकू व एक अन्य युवक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। घटना से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज के सामने आया है। थाना प्रभारी राजेश यादव ने बताया कि युवक ने शुक्रवार देर शाम को शिकायत दी थी। युवक की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला कांग्रेस की नवगठित कार्यकारिणी का किया स्वागत

स्मार्ट हलचल

सादुलपुर। पूर्व विधायक डॉ कृष्णा पूनिया के निज निवास पर शनिवार को महिला कांग्रेस की नवगठित कार्यकारिणी के स्वागत के लिए एक समारोह का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने नव नियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर हार्दिक स्वागत किया। इनमें महिला कांग्रेस की ब्लॉक अध्यक्ष देहात पुष्पा सिंघल, ब्लॉक अध्यक्ष शहर कलावती स्वामी, और जिला उपाध्यक्ष कविता पूनिया शामिल थीं।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक डॉ कृष्णा पूनिया ने कहा कि आप सभी को मिलकर पार्टी को संगठन स्तर पर और अधिक मज़बूत करने के लिए कार्य करना चाहिए।

डॉ. पूनिया ने सभी कार्यकर्ताओं से कल, 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुँचने का आह्वान किया। इस स्वागत समारोह में देहात ब्लॉक अध्यक्ष अशोक पूनिया, युवा कांग्रेस अध्यक्ष रोहित गागडवास, रामकुमार धानिया, संजय हरपालू, एडवोकेट सुखवीर पूनिया, महताब, रामचन्द्र, हनुमान, मांगे पूनिया, प्रमिला ख्यालिया, बाला सुडा गुलपुरा, रामबाई, एकता सुडा, रेवती सिंघल, कविता सुडा, प्रेम वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्कूल व आंगनबाड़ी व स्कूल के 200 से अधिक बच्चों को स्वेटर वितरित

स्मार्ट हलचल

खानपुर/बारां। नगर में अग्रवाल समाज के गौरव मांगीलाल जैन द्वारा स्थापित श्री दिगंबर जैन पारमार्थिक ट्रस्ट चाँदखेड़ी- खानपुर की ओर से शनिवार को पिपलाज पंचायत के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ग्राम बहड़ावदा में स्कूल व आँगनबाड़ी के दो सौ से अधिक बच्चों को निशुल्क उनी स्वेटर वितरित किये गए। ट्रस्ट के सदस्य महावीर जैन व विमल जैन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीबीईओ सियाराम नागर थे। अध्यक्षता पीईईओ कीर्तिबाला सोनी ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला परिषद सदस्य ओमप्रकाश खंडेलवाल, गौशाला समिति के अध्यक्ष महावीर गौतम, वरिष्ठ समाजसेवी सत्यप्रकाश नागर, शिक्षक अनिल गौतम, कांग्रेस के नगर अध्यक्ष शिवम गुप्ता ओर प्रधानाध्यापक रमेश मालव, एसएमडीसी के अध्यक्ष नैनालाल बंजारा रहे। कार्यक्रम में बहड़ावदा गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र व गांव से पिपलाज अध्ययन करने जाने वाले दो सौ से अधिक बच्चों को स्वेटर वितरित किये गए। स्वेटर के साथ बच्चों को केले वितरित किये गए। अतिथियों का ट्रस्ट के सदस्य महावीर जैन, विमल जैन, समाजसेवी लालचंद मीणा, प्रदीप श्रृंगी, दिनेश सुमन, शिक्षक जगदीश नागर, कुलदीप नागर, देवकरण शर्मा, अशपाक मोहम्मद, रौनक नागर, ज्योति मेरोठा व ज्योति वर्मा ने स्वागत किया।

पुण्य का काम जारी रहे :

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सीबीईओ नागर ने कहा कि ट्रस्ट की ओर से ये पुण्य कार्य किया है। जो आगे भी जारी रहे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कई समाजसेवी, संस्थाएं व अन्य भामाशाह लगातार वँचितों की सेवा के लिए तैयार हैं। पीईईओ कीर्तिबाला सोनी, ओम खंडेलवाल, महावीर गौतम, शिवम गुप्ता ने भी ट्रस्ट के सेवा कार्य की सराहना की। ओर सहयोग का भरोसा दिलाया। स्कूल के प्रधानाध्यापक रमेशचंद मालव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मात्र 10 साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था रति अग्निहोत्री ने

बॉलीवुड एक्ट्रेस रति अग्निहोत्री को एक समय खूबसूरती और संजीदा अभिनय की मिसाल माना जाता था। दर्शक उन्हें 'स्वर्ग से उतरी अप्सरा' तक कहकर पुकारते थे। रति अग्निहोत्री भी बॉलीवुड के कई प्रतिभाशाली कलाकारों में शामिल हैं। रति अग्निहोत्री का जन्म 10 दिसंबर 1960 को उत्तर प्रदेश के बरेली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय और मॉडलिंग का शौक था और मात्र 10 साल की उम्र में उन्होंने काम करना शुरू कर दिया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए, 16 साल की उम्र में उन्हें तमिल फिल्म 'पुदिया वरपुकल' में काम करने का अवसर मिला। यह उनकी पहली तमिल फिल्म थी, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई और उन्हें साउथ इंडस्ट्री में पहचान दिला गई। इसके बाद वह कमल हासन, रजनीकांत और चिरंजीवी जैसे सुपरस्टार्स के साथ कई तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में नजर आईं। हिंदी सिनेमा में उनकी एंट्री 1981 में रिलीज हुई फिल्म 'एक दूजे के लिए' से हुई, जिसमें उन्होंने कमल हासन के साथ काम किया। फिल्म बड़ी हिट रही और रति को रातों-रात स्टारडम मिल गया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का नॉमिनेशन भी मिला, जिससे बॉलीवुड में उनकी स्थिति और मजबूत हुई। 1980 के दशक में उन्होंने 'कुली', 'तवायफ', 'अय्याश', 'शौकीन', 'मुझे इंसाफ चाहिए', 'मैं आवारा हूं' और 'फर्ज और कानून' जैसी कई सफल फिल्मों में मजबूत भूमिकाएँ निभाईं। करियर के शिखर पर रहते हुए रति ने 1985 में आर्किटेक्ट अनिल विरवानी से शादी कर ली और फिल्मों से दूरी बना ली। हालांकि उन्हें आगे भी कई बड़े ऑफर मिले, लेकिन उन्होंने परिवार पर ध्यान देने के लिए केवल चुनिंदा साइड रोल स्वीकार किए। 2001 में उन्होंने 'कुछ खट्टी कुछ मीठी' के साथ फिल्मों में वापसी की। इसके बाद 'क्यों हो गया ना', 'हम तुम', 'ये है जलवा', 'देव' और 'पहचान' जैसी फिल्मों में साइड रोल करके भी उन्होंने अपनी उपस्थिति को मजबूती से दर्ज कराया।

धर्मेंद्र के जन्मदिन पर सुभाष घई ने लिख दिल छू लेने वाला संदेश

बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने अभिनेता धर्मेंद्र की 90वीं जन्म जयंती पर उन्हें खास अंदाज में याद किया। सोशल मीडिया पर उनके साथ जुड़ी पुरानी यादों को साझा करते हुए भावुक श्रद्धांजलि दी। घई ने इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र की एक स्केच तस्वीर पोस्ट करते हुए एक दिल छू लेने वाला संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने अभिनेता की शानदार फिल्मी यात्रा, उनके व्यक्तित्व और बहुमुखी अभिनय क्षमता की जमकर सराहना की। सुभाष घई ने अपने संदेश में लिखा, 5560 साल से हमारे हीमैन स्क्रीन स्टार धर्मेंद्र को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लगभग हर बड़े निर्देशक के साथ काम किया है। सीधा-साधा नौजवान, एंग्री एक्शन हीरो, संवेदनशील प्रेमी, कवि, कमीडियन, ऐतिहासिक किरदार या फिर अध्यात्म से जुड़ा चरित्र हर रूप में दर्शकों ने उन्हें सराहा। यह सब उनके सादगी भरे साफ दिल और मेहनत की वजह से संभव हो पाया।' घई ने आगे लिखा कि उनकी नजर में धर्मेंद्र एक ऐसे सितारे थे, जिन्होंने अपने अभिनय के जरिए ना सिर्फ शुभचिंतकों का दिल जीता, बल्कि इंसानियत और सरलता की मिसाल भी कायम की। घई ने अपने संदेश में विशेष रूप से वर्ष 1981 में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'क्रोधी' का उल्लेख किया। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने मुख्य किरदार निभाया था, जो एक पढ़ा-लिखा माफिया डॉन होता है और बाद में जीवन की घटनाओं से प्रभावित होकर अध्यात्म का मार्ग अपनाता है।

घई ने इसे अपने करियर की भी खास फिल्म बताया और कहा, 'उन्होंने मेरी फिल्म 'क्रोधी' में जो चुनौतीपूर्ण रोल किया, वह आज भी मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में शामिल है। इस किरदार में गुस्से, बदले और आध्यात्मिक बदलाव का अनोखा संगम था, जिसे धर्मेंद्र ने बेहद खूबसूरती से निभाया। हैप्पी बर्थडे पाजी, आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे।' 'क्रोधी' एक दमदार एक्शन थ्रिलर थी, जिसमें धर्मेंद्र के साथ शशि कपूर, जीनत अमान, प्रेमनाथ, रंजीता, सचिन, प्राण और अमरीश पुरी जैसे कई नामी कलाकार नजर आए। फिल्म में विशेष भूमिकाओं में हेमा मालिनी और मौसमी चटर्जी भी शामिल थीं। दर्शकों ने फिल्म में धर्मेंद्र के द्वारा गुस्से और प्रतिशोध से भरे व्यक्ति से शांत और आध्यात्मिक व्यक्तित्व में हुए परिवर्तन को खूब सराहा था।

दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया उर्वशी रौतेला के डांस मूव्स ने

बॉलीवुड की प्रतिभाशाली एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के दमदार सेल्फ डांस चैलेंज ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। एक्ट्रेस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में उनके एनर्जेटिक मूव्स, तकनीकी डांस स्किल्स और बेहतरीन स्टेज प्रेज़ेंस ने दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। कुछ ही घंटों में यह वीडियो कई प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो गया और फैंस लगातार इसे शेयर और रीक्रिएट कर रहे हैं। वीडियो में उर्वशी का आत्मविश्वास, ग्रेस और कच्चा टैलेंट साफ झलकता है। उनकी हर मूवमेंट में एक अलग ही चमक दिखाई देती है, जिसने लोगों को उनकी तुलना बेयॉस और जेनिफर लोपेज जैसी ग्लोबल सुपरस्टार्स से करने पर मजबूर कर दिया है। सोशल मीडिया पर लोग कमेंट्स की बाढ़ ला रहे हैं और उन्हें 'इंडिया की डांस क्वीन' तक कह रहे हैं। कई फैंस ने उनके सिग्नेचर स्टेप्स को कॉपी कर अपने संस्करण भी बनाए हैं, जिससे यह चैलेंज और ज्यादा ट्रेंड में आ गया है। इस चैलेंज की खासियत यह है कि यह उर्वशी की एक अलग ही झलक पेश करता है—फिल्मों और स्टेज शो से अलग, ज्यादा व्यक्तिगत और जुड़ाव भरा अंदाज। उनका यह सेल्फ-डांस चैलेंज दर्शाता है कि वह सिर्फ कैमरे पर ही नहीं, बल्कि अपने वास्तविक अंदाज में भी कितनी सहज और प्रतिभाशाली हैं। यह सिर्फ एक वीडियो नहीं बल्कि उनके टैलेंट, कॉन्फिडेंस और स्टारडम का उत्सव है। फैंस की प्रतिक्रियाएं भी बेहद उत्साहजनक रही हैं। किसी ने लिखा, 'उर्वशी इज़ गोल्स! उनकी एनर्जी का कोई जवाब नहीं', तो वहीं एक अन्य ने कहा, 'इसीलिए वो इंडिया की बेयॉस हैं।' इन प्रतिक्रियाओं से साफ है कि उर्वशी ने अपनी कला से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है। इस वायरल चैलेंज ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उर्वशी रौतेला सिर्फ सुंदरता और ग्लैमर की वजह से नहीं, बल्कि अपनी अथक मेहनत और बहुमुखी प्रतिभा के चलते इंडस्ट्री की शीर्ष परफॉर्मर्स में शामिल हैं। उनके इस वीडियो ने न केवल यादगार पल बनाए हैं बल्कि कई युवा कलाकारों को भी प्रेरित किया है। उर्वशी रौतेला लगातार यह साबित कर रही हैं कि वह हर बार कुछ नया और ऊर्जावान लेकर आती हैं—और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है।

गुमनामी की जिंदगी जी रही एक्ट्रेस प्रिया गिल

अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री प्रिया गिल आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। 1999 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'सिर्फ तुम' में अभिनय के बाद अभिनेत्री प्रिया गिल अचानक रातोंरात स्टार बन गई थीं, लेकिन समय के साथ वह फिल्मी दुनिया से दूर होती चली गईं। एक्ट्रेस आज पूरी तरह गुमनामी की जिंदगी जी रही हैं। बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने वाली प्रिया गिल ने इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों शाहरुख खान और सलमान खान के साथ भी काम किया, लेकिन मायूसी और संघर्ष ने उन्हें कैमरे की चमक से बहुत दूर कर दिया। प्रिया गिल ने 1995 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में फाइनलिस्ट बनकर मनोरंजन जगत में कदम रखा। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह के साथ 1996 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरे मेरे सपने' से की। फिल्म में उनकी एक्टिंग की सराहना हुई, लेकिन उन्हें उस फिल्म की तलाश थी जो उनके करियर को नई ऊंचाई दे। यह मौका उन्हें मिला 1999 में आई फिल्म 'सिर्फ तुम' से, जिसमें उन्होंने संजय कपूर के साथ काम किया। फिल्म रिलीज होते ही प्रिया गिल की मीठी मुस्कान, नैचुरल एक्टिंग और सादगी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और वह रातोंरात स्टार बन गईं। सफलता के इस दौर में प्रिया गिल ने बड़े सितारों के साथ भी बेहतरीन भूमिकाएँ निभाईं। वह 2000 में आई फिल्म 'जोश' में शाहरुख खान के साथ मुख्य भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय भी थीं, जो शाहरुख की बहन बनी थीं, लेकिन प्रिया गिल ने बतौर हीरोइन अपनी अलग पहचान छोड़ी। इसके अलावा उन्होंने सलमान खान के साथ 'बड़े दिलवाला' और नागार्जुन जैसे साउथ के सुपरस्टार के साथ फिल्में कीं। हालांकि, 1999 में रिलीज हुई फिल्म 'बड़े दिलवाला' उनके करियर के लिए निर्णायक मोड़ साबित हुई। फिल्म असफल रही और इसके बाद उन्हें फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं मिलना बंद हो गया।

अभिनेत्री दीया मिर्जा का प्रेरणादायक है सफर

महज 20 साल की उम्र में बतौर मॉडल करियर की शुरुआत करने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा आज फिल्म इंडस्ट्री की सफल और सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। हाल ही में दीया मिर्जा अपना जन्मदिन मनाया। उनका सफर सिर्फ ग्लैमर की दुनिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकारों से भी गहराई से जुड़ा है। दीया को उनकी पहली पहचान 2001 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' की 'रीना मल्होत्रा' के किरदार से मिली, जिसने दर्शकों के दिलों में उन्हें हमेशा के लिए बसा दिया। दीया मिर्जा का जन्म 9 दिसंबर 1981 को हैदराबाद में हुआ। उनके पिता फ्रैंक हैंडरिच जर्मन ग्राफिक और आर्किटेक्चर डिजाइनर थे, जबकि मां दीपा मिर्जा बंगाली इंटीरियर डिजाइनर और लैंडस्केप आर्टिस्ट हैं। जब दीया सिर्फ साढ़े चार साल की थीं, तभी उनके माता-पिता अलग हो गए। बचपन की चुनौतियों के बावजूद दीया ने पढ़ाई और करियर दोनों में सफलता हासिल की। उन्होंने अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री पूरी की और कॉलेज के दौरान ही एक मीडिया फर्म में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की नौकरी शुरू कर दी। इसी दौरान वह प्रिंट और टीवी विज्ञापनों में मॉडलिंग करने लगीं और कई बड़े ब्रांड्स का चेहरा बनीं। साल 2000 में दीया ने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और रनर-अप रहीं। इसके बाद उन्होंने मिस एशिया पैसिफिक का खिताब अपने नाम किया और सिर्फ 18 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में उनकी सादगी, आत्मविश्वास और गरिमा की खूब चर्चा हुई। इसी के बाद बॉलीवुड के दरवाजे उनके लिए खुले और 2001 में आई फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' ने उन्हें स्टारडम दिलाया। फिल्म में आर। माधवन और सैफ अली खान के साथ दीया की केमिस्ट्री और उनकी मासूमियत को दर्शकों ने भरपूर पसंद किया। फिल्मी करियर में दीया ने 'संजू', 'थप्पड़', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'एसिड फैक्ट्री', और 'सलाम मुंबई' जैसी फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई। मगर वह कभी सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहीं। दीया पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और बच्चों की शिक्षा जैसे मुद्दों पर लगातार सक्रिय रही हैं। वह संयुक्त राष्ट्र की गुडविल एंबेसडर हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए कई अभियानों का नेतृत्व करती रही हैं। साल 2019 में उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'वन इंडिया स्टोरी' की शुरुआत की, जिसके जरिए वह समाज से जुड़े सार्थक कंटेंट बनाने का काम कर रही हैं।

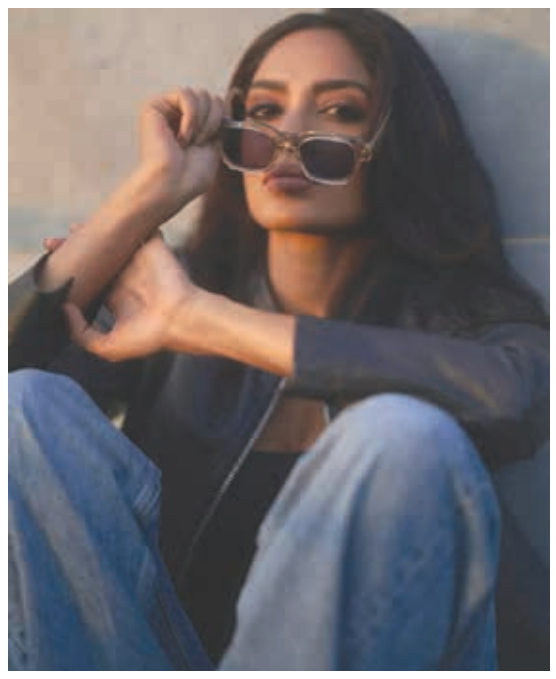

जींस और ब्लैक जैकेट पहनकर शोभिता धुलिपाला ने दिखाया स्वैग

आमतौर पर साड़ी और लहंगे में नजर आने वाली साउथ की मशहूर एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में जींस और ब्लैक जैकेट पहनकर ऐसा स्वैग दिखाया कि फैंस उनकी तुलना अंतर्राष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा तक से करने लगे।
उनका यह मॉडर्न अवतार देखते ही देखते वायरल हो गया और लोग उनके नए स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। नागार्जुन की बहू बनने के बाद से शोभिता का हर लुक लाइमलाइट में रहता है, लेकिन इस बार उनका बदला हुआ स्टाइल सबसे ज्यादा चर्चा में है। उन्होंने ब्लैक लेदर जैकेट, हाई-वेस्ट डेनिम जींस और अंदर ब्लैक टैंक टॉप पहनकर एकदम ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट लुक क्रिएट किया। आउटफिट बेहद सिंपल था, लेकिन इसे जिस अंदाज में उन्होंने कैरी किया, वह उनके पूरे व्यक्तित्व को अलग ही स्तर पर ले गया। उनका पोज़, एक्सप्रेशन और बॉडी लैंग्वेज हर फोटो में कूल और स्टाइलिश वाइब दे रहे थे। ब्लैक लेदर जैकेट इस पूरे लुक का सबसे आकर्षक हिस्सा बन गया। इसकी फिटिंग, सिल्वर ज़िप्स और स्टाइलिश कट्स ने उनके बोल्ड अंदाज को और निखारा।
वहीं, ब्लैक टैंक टॉप ने उनके लुक में परफेक्ट बोल्डनेस जोड़ दी। प्लेन होने के बावजूद इसका फिट और स्टाइल आउटफिट को खास बना रहा था। हाई-वेस्ट जींस का चुनाव भी बेहतरीन रहा, जिसने उनके मॉडर्न और कंफर्टेबल स्टाइल को पूरा किया। गोल सिल्वर बटन और डीप पॉकेट्स ने जींस को और आकर्षक बनाया, जबकि पॉकेट में हाथ डालकर दिए गए उनके पोज़ तस्वीरों को और भी क्लासी बना रहे थे। शोभिता ने इस पूरे लुक को एक्सेसरीज के साथ ओवरडन नहीं किया। उन्होंने केवल एक चंकी सिल्वर नेकलेस पहना और बाकी ज्वेलरी को पूरी तरह इग्नोर किया। उनकी आंखों पर लगा ब्लैक सनग्लास उनके कूल अंदाज का सबसे बड़ा हाइलाइट बना। साधारण वेस्टर्न आउटफिट को उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ पेश किया, उसने उन्हें और भी गॉर्जियस बना दिया। फैंस उनके इस अवतार पर लगातार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। किसी ने उन्हें 'साउथ की प्रियंका चोपड़ा' कहा तो किसी ने 'लेडी सिंघम'। कई लोगों का कहना है कि शोभिता बिना किसी विशेष मेहनत के ही स्टाइलिश और ग्लैमरस दिखने की क्षमता रखती हैं। उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उनके इस मॉडर्न, bold और कॉन्फिडेंट लुक पर फिदा हो गए हैं। बता दें कि साउथ स्टार नागार्जुन की बड़ी बहू और एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला अक्सर अपने एथनिक और एलीगेंट लुक्स के लिए मशहूर रही हैं, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसा वेस्टर्न अंदाज अपनाया कि सोशल मीडिया पर हलचल मच गई।

काम पर लौटीं कियारा आडवाणी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी मां बनने की खुशी के बाद अब दोबारा काम पर लौट आई हैं। कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 15 जुलाई को अपनी बेटी सारायाह का स्वागत किया था। माता-पिता बनने के बाद यह पहली बार है जब कियारा मीडिया कैमरों के सामने दिखाई दीं। लगभग पांच महीनों के बाद काम पर वापसी करते हुए कियारा को मुंबई में स्पॉट किया गया, जहां उन्हें देखकर फैंस बेहद उत्साहित हो गए। मदरहुड के बाद कियारा की यह पहली झलक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। फैंस लंबे समय से उनकी स्क्रीन पर वापसी का इंतजार कर रहे थे। मां बनने के बाद कियारा ने काफी समय परिवार को दिया और अब दोबारा अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को निभाने की शुरुआत की है।

कियारा पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड की टॉप लीग की अभिनेत्रियों में शुमार हो चुकी हैं और उनकी फिल्मों ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि ब्रांड्स और फिल्ममेकर्स भी उनकी वापसी का इंतजार कर रहे थे। हालांकि उन्होंने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि वह किस प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए सेट पर लौटी हैं, लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह जल्द ही किसी बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा कर सकती हैं।

डिजिटल स्पेस बदला है, खत्म नहीं हुआ: प्राजक्ता कोली

मशहूर यूट्यूबर और एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली कहा कि डिजिटल कंटेंट क्रिएशन का दौर न तो खत्म हुआ है और न ही धीमा पड़ा है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में यह पहले से कहीं ज्यादा व्यापक, तेज और अनिश्चित हो गया है।
एक्ट्रेस प्राजक्ता ने बताया कि डिजिटल स्पेस बदला है, खत्म नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि दस-ग्यारह साल पहले जब उन्होंने शुरुआत की थी तब केवल लॉन्ग-फॉर्म वीडियो ही चलते थे, लेकिन आज दर्शकों का ध्यान कई प्लेटफॉर्म्स में बंट चुका है। नए-नए फॉर्मेट्स और ट्रेंड्स लगातार सामने आ रहे हैं, जिससे क्रिएटर्स को भी खुद को लगातार अपडेट रखना पड़ता है। उन्होंने 2017 के डिजिटल बूम को इंडस्ट्री का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बताया और कहा कि इसी बूम की वजह से आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल इकॉनमी बन चुका है, जहां हर बड़ा ब्रांड भारतीय कंटेंट क्रिएटर्स के साथ काम करना चाहता है। अपनी जर्नी को वह पूरी तरह अनप्रेडिक्टेबल बताती हैं। उनके मुताबिक डिजिटल इंडस्ट्री में कोई तय रोडमैप, पैटर्न या रिदम नहीं होता। कभी कुछ वीडियो अच्छा चल जाते हैं और लगता है कि सब सेट हो गया, लेकिन अगला वीडियो आते-आते हालात पूरी तरह बदल सकते हैं।
उन्होंने कहा कि इस फील्ड का यही रोमांच है—यह एक रोलरकोस्टर राइड की तरह है जिसमें हर मोड़ पर नई चुनौती और नया मौका होता है। बीते दस साल में उनकी सबसे बड़ी सीख यही रही है कि बदलाव को पहचानना और तुरंत अपनाना जरूरी है। प्राजक्ता ने कहा कि उनके लिए हमेशा यह समझना महत्वपूर्ण रहा कि किस समय क्या चल रहा है, क्या अब काम नहीं कर रहा और फिर बिना रुके नई दिशा की तरफ बढ़ जाना चाहिए। उनकी मान्यता है कि यही एप्रोच उन्हें इंडस्ट्री में लगातार प्रासंगिक बनाए रखती है। डिजिटल स्पेस को वह चुनौतीपूर्ण के साथ-साथ बेहद रोमांचक भी मानती हैं।

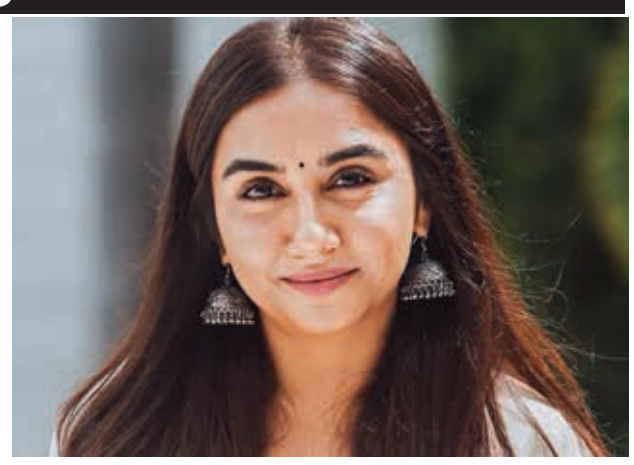

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com